INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertisingÜcom

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी
दैनिक यूनिक समय
मथुरा से प्रकाशित
RNI-UPHIN/2023/85053

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamayÜcom

वर्ष-2 | अंक-659 | मथुरा, बुधवार, 18 दिसंबर 2024 | पेज-12 | 5 रुपया | wwwÜfacebookÜcom/uniquesamay | twitterÜcom/Theuniquesamay | wwwÜlinkedinÜcom/in/uniquesamay

तृतीय पुण्यतिथि

स्व. श्री लक्ष्मी नारायन जी अग्रवाल

(उदय: 13.12.1937 अवसान: 19.12.2021)

चले गए वे अपने घर से, पर वे दिल से दूर नहीं हैं।
रूखसत हुए वे दुनिया से, लेकिन वे हम से दूर नहीं हैं।।
हम जब उन्हें याद करते हैं, उनका हाथ अपने कंधों पर पाते हैं।
वे हमें अपने साथ होने का अहसास दिला जाते हैं।।

आपके व्यक्तित्व का प्रकाश सदा हमारे प्रगति पथ को प्रकाशित करे, आपकी स्मृतियाँ आशीर्वाद स्वरूप सदा हमारे साथ रहें आज आपकी तृतीय पुण्य तिथि पर हम सभी परिवारीजन आपको अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

श्रद्धानवत्

श्रीमती कान्ता देवी
(धर्मपत्नी)

प्रभात कुमार–नीता
प्रवीण कुमार–अंजू
अशोक कुमार–राधा
(पुत्र–पुत्रवधु)
शिप्रा–निखिल, तरु–अनन्य
(पौत्री–पौत्रीदामाद)
विपुल–निशु
(पौत्र–पौत्रवधु)

स्व. सुषमा मीत्तल–नारायण मित्तल
(पुत्री–दामाद)
विश्वास–मोहिनी
(धेवता–धेवतावधु)
यषु, हर्षुल, वर्षा,
जागृति, समिक्षा
(पौत्र–पौत्री)

एवम् समस्त ऐरन परिवार।

प्रतिष्ठान

पी. के. एण्ड पी.के ज्वैलर्स प्रा० लि०, मथुरा
कान्हा जेम्स एण्ड आर्ट गैलरी, मथुरा
गिलिप्टिक आर्ट, मथुरा
लक्ष्मी नारायण मैमोरियल एण्ड वेलफेयर सोसाइटी
ऐरन मेनशन्स नीयर पेट्रोल पम्प, सौख रोड, मथुरा

कुमार प्लास्टिक, मथुरा
दृष्टिकोण डिजाइन, नई दिल्ली
बचपन प्ले स्कूल, नोएडा
ईलेव 8 लिविंग, मथुरा
रीति रिवाज कलेक्शन
पीके पीके वुड आर्ट्स, मथुरा

मो: 9927067604, 9412281238, 9412626811

INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

Sweety
BY
MR
GROUP
Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-2 | अंक-659 | मथुरा, बुधवार, 18 दिसंबर 2024 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | twitter.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

बांकेबिहारी मंदिर में ड्रेस कोड बनाया

महिलाएं पारंपरिक भारतीय परिधान पहनकर आएं

महेश वार्ष्णेय

यूनिक समय, वृंदावन। यदि आप ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन करने आ रहे हैं तो पारंपरिक भारतीय परिधान पहनकर ही आएं। इस आशय से मंदिर प्रबंधन ने मंदिर की मर्यादा को बरकरार रखते हुए बैनर लगाए हैं। मंदिर के आसपास गलियों में लगे बैनर में स्पष्ट लिखा है कि ठाकुर श्रीबांकेबिहारी मंदिर में अमर्यादित वस्त्र पहनकर न आएं। इससे पहले भी मंदिर प्रबंधन ने महिला और युवतियों से मंदिर परिसर में शालीन कपड़े पहनने की अपील की थी। मंदिर प्रबंधन ने दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं से ड्रेस कोड का पालन करने की अपील की। मंदिर प्रबंधन का मानना है कि मंदिर धार्मिक स्थल है न कि पर्यटन स्थल। इसमें श्रद्धालु जींस, टी शर्ट जैसे परिधान पहनकर न आएं।

बांकेबिहारी मंदिर प्रबंधन की ओर से टांगा गया बैनर।

बैनर में देश-दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं से अपील की है कि श्रद्धालु मंदिर में दर्शन आते समय छोटे वस्त्र हॉफ पैंट, बरमूडा, मिनी स्कर्ट, नाइट शूट, कटी और फटी जींस, चमड़े की बेल्ट व अमर्यादित वस्त्र पहनकर न आएं। आराध्य के दर्शन पाने की सबसे अधिक लालसा बुजुर्गों की होती है। परिक्रमा यात्रा हो, भजन-कीर्तन और कथा श्रवण या फिर मंदिरों में दर्शन, इन सभी जगह बुजुर्गों की ही भीड़ नजर आती है। लेकिन ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन करने को बुजुर्ग, बीमार और बच्चे बड़े आयोजन वाली तारीखों

25 दिसंबर से पांच जनवरी तक वृद्ध और बीमार न आएं

पर अब न आएं। चूंकि भीड़ अधिक है और प्रबंधन के हाथ में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं, जिससे दर्शन करने की इच्छा पूरी करवा सके।

मंदिर प्रबंधन ने बुजुर्ग और बीमार व्यक्तियों से साल के सबसे बड़े आयोजन वाले कार्यक्रम में दर्शन करने न आने की अपील की गई है। अपील की गई है कि वर्ष के अंतिम दिनों में 25 दिसंबर से पांच जनवरी तक मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ेगी। श्रद्धालु मंदिर प्रबंधन और प्रशासन द्वारा बनाई गई रूट व्यवस्था का पालन करें। भीड़ के दिनों में बुजुर्ग, दिव्यांग, बच्चे और बीमार व्यक्तियों को न लाएं।

आगरा के बिल्डर प्रखर गर्ग के घर ईडी का छापा

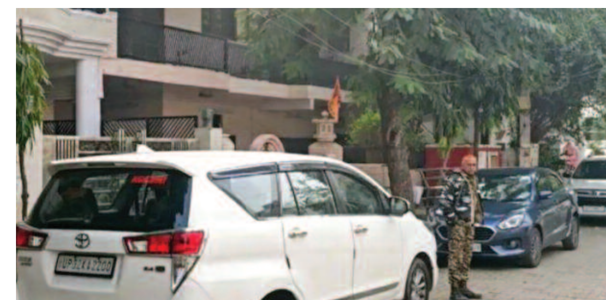

आगरा के बिल्डर प्रखर गर्ग के घर पर पहुंची ईडी की टीम।

संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। वृंदावन में ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर के कॉरिडोर के लिए 530 करोड़ रुपये देने की घोषणा से आगरा के बिल्डर प्रखर गर्ग का नाम काफी चर्चा में आया था। आज सुबह उसके कमलानगर में द्वारिकापुरम स्थित घर पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने छापा मारा। इस छापे की सूचना से व्यापारियों में चर्चा होने लगी। जानकारी के अनुसार ईडी टीम लखनऊ से जांच के लिए आई। नोएडा व अन्य जगहों पर भी छापा मारने की सूचना है। मालूम हो कि प्रखर गर्ग पर दो दर्जन से

ठा. बांकेबिहारी मंदिर के कॉरिडोर में सहयोग की घोषणा की थी

अधिक मुकदमे चल रहे हैं। बिल्डर प्रखर गर्ग पर बैटरी व्यवसायी अरुण सोंधी ने हरीपर्वत थाना में लगभग नौ करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया था। वहीं कमलानगर थाने में भी कई मुकदमे दर्ज हैं। एक वर्ष पूर्व हरीपर्वत पुलिस ने चेक बाउंस के मामले में प्रखर गर्ग को गिरफ्तार किया था।

जिला अस्पताल के कूलर में लगी आग, मची अफरा-तफरी

यूनिक समय, मथुरा। जिला अस्पताल के पर्चा बनाने वाले कमरे के सामने बने शेड में यात्रियों को गर्मी से बचाने के लिए लगे कूलर की घास में अचानक आग लग गई। कूलर में लगी आग को देख वहां बैंचों पर बैठे मरीज और तीमारदारों में हड़कंप मच गया। इसी दौरान वहां आए एक युवक ने आग पर कपड़ा मारकर किसी तरह बुझाया और कूलर में लगी घास को निकाला। बताया गया कि किसी बीड़ी अथवा सिगरेट पीने वाले व्यक्ति ने जलती बीड़ी अथवा सिगरेट को कूलर में फेंक दिया, जिसके चलते आग लग गई।

नगर निगम का अवैध कब्जा हटाओ अभियान

आठ करोड़ रुपये कीमत की भूमि से अवैध कब्जा हटाया

धौरेरा बांगर से अवैध कब्जा हटवा कर नगर निगम का बोर्ड लगवाते अधिकारी। साथ हैं सहायक नगर आयुक्त राकेश त्यागी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम की टीम ने धौरेरा बांगर में नगर निगम की करीब आठ करोड़ रु की भूमि से अवैध निर्माण को हटवाया है। यहां 3000 वर्ग मीटर जमीन खाली कराई गई। नगर आयुक्त शशांक चौधरी का कहना है कि निगम की जमीन पर कब्जा करने वालो के खिलाफ कानूनी कार्यवाही भी की जाएगी। सहायक नगर आयुक्त राकेश त्यागी, कानूनगो गंगाराम, निगम की प्रवर्तन दल की ईटीएफ फोर्स और वृन्दावन कोतवाली से पुलिस फोर्स के साथ ग्राम धौरेरा बांगर पहुंची। जहां गाटा संख्या 273 बंजर की भूमि पर कुछ लोगों ने अवैध रूप से बाउण्ड्री वॉल बनाकर गौशाला के रूप में कब्जा कर लिया था। पुलिस बल के साथ पहुंची टीम ने बाउण्ड्री वॉल ध्वस्त कर दी। निगम के बोर्ड भी लगा दिए गए। आरोप है कि केदार सिंह एवं राघवेंद्र शर्मा ने अवैध कब्जा किया था।

अतिक्रमण | नए बस अड्डे से लेकर भूतेश्वर तक की सड़क का ये है हाल

फुटपाथ पर चलाया जा रहा है व्यापार

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। शहर के नए बस अड्डे से लेकर भूतेश्वर तक की सड़क के दोनों ओर सड़क के फुटपाथ पर कहीं होटल तो कहीं कार मैकेनिकों द्वारा अपना व्यवसाय किया जा रहा है। इसके चलते भले ही वहां से गुजरने वाले लोगों को परेशानी हो। इसकी किसी को परवाह नहीं है। नए बस स्टैंड से आगे निकलते ही सड़क पर दोनों ओर वाहनों का जाम लगना शुरू हो जाता है। यहां सड़क किनारे बने फुटपाथों पर होटल व रेस्टोरेंट मालिकों ने अपना कब्जा जमा रखा है। इसके साथ ही वहां से आगे चलने पर बीएसए कॉलेज की बाउंड्री के

कोई चला रहा है होटल तो कोई कर रहा वाहनों की मरम्मत

बीएसए कॉलेज की बाउंड्री से लगी फेंसिंग, यूटिलिटी कॉम्पलेक्स

किसी को नहीं है चिंता, कैसे सुधरे ट्रैफिक व्यवस्था

समीप लगी तार फेंसिंग और यूटिलिटी कंपलेक्स (प्रसाधन) और पुलिस चौकी बनी होने के कारण इस मार्ग पर गुजरने वाले लोगों को भारी परेशानी होती है। इसके साथ ही बाउंड्री के समीप लगाई गई तार फेंसिंग के चलते भी यहां वाहनों को ओवर टेक करने में दिक्कत होती है। इसके आगे महोली रोड से आने वाले वाहनों और इस मार्ग से नए बस अड्डे की तरफ मुड़ने वाले वाहनों को चलते सड़क पर वाहनों का जमवाड़ा लगता है।

इसके साथ ही सड़क किनारे बने फुटपाथ पर कहीं पौधों की बिक्री की दुकान और इसके अलावा फास्ट फूड की ढेल खड़ी होने से भी लोगों को वहां से निकने में दिक्कतों का सामना करना होता है। यहां से आगे चले तो फुटपाथ पर वाहन की मरम्मत करने वाले दुकानदारों के वाहन खड़े रहते हैं। इसके साथ ही यहां तो फुटपाथ पर एक होटल अपने ग्राहकों को मेज कुर्सी लगा कर सर्विस करता भी दिखाई देता है। ऐसा ही हाल बाग काजियान के समीप वाली सड़क पर है। वहीं दूसरी ओर कई कॉम्पलेक्सो में काम करने वाले और ग्राहकों के दुपहिया और चौपहिया वाहन सड़क पर खड़े रहने के कारण रास्ते से निकलने वाल वाहनों को गुजरने में कठिनाई होती है। इस मार्ग के फुटपाथ पर होने वाले अतिक्रमण को हटाने के लिए, जिला प्रशासन को कार्रवाई करनी चाहिए, जिससे यहां से गुजरने वाला ट्रैफिक सुगमता के साथ गुजर सके।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-ईदगाह केस की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई कल

यूनिक समय, मथुरा। सर्वोच्च न्यायालय के कोर्ट नंबर 1 में आइटम नंबर 11 पर श्री कृष्ण जन्मभूमि-ईदगाह प्रकरण में 19 दिसम्बर को सुनवाई होगी। इसमें हाईकोर्ट के 14 दिसम्बर के आदेश विवादित परिसर के सर्वे पर रोक लगाने को शाही मस्जिद ईदगाह के प्रबंधकों ने अधिवक्ताओं के माध्यम से चुनौती दी गई है। मुख्यवादी वाद संख्या चार के वादी श्री कृष्णजन्म भूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष व सिद्धपीठ माता शाकुम्भरी पीठाधीश्वर भृगुवंशी आशुतोष पाण्डेय ने बताया कि मुस्लिम पक्ष चाहता है कि सर्वे ना हो जिस पर सर्वोच्च न्यायालय ने वाद की पोषणीयता तय होने तक स्टे दे दिया था जिसमें अब 19 दिसम्बर 2024 को सुनवाई होगी। जिसमें वे भी अपने अधिवक्ताओं के माध्यम से अपना पक्ष रखेंगे।

मथुरा में यूपी बोर्ड परीक्षा की तैयारियां

केन्द्र व्यवस्थापक व कक्ष निरीक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की वर्ष 2025 में होने वाली हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा के लिये केन्द्र व्यवस्थापक/कक्ष निरीक्षक एवं परीक्षकों की नियुक्ति करने के लिए परिषद के सचिव भगवती सिंह ने मथुरा सहित प्रदेश के सभी जिलों के जिला विद्यालय निरीक्षकों से सभी माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों एवं प्रधानाचार्यों का डेटा अपडेट कराये जाने के निर्देश दिए हैं।

सचिव ने पत्र में लिखा है कि वर्ष 2025 की हाईस्कूल/ इण्टरमीडिएट परीक्षा में जनपद के 220 परीक्षा केन्द्रों पर नियुक्त किये जाने वाले केन्द्र व्यवस्थापकों/वाह्य केन्द्र

23 दिसम्बर से पहले प्रधानाचार्यों से मांगा डाटा

व्यवस्थापकों/कक्ष निरीक्षकों तथा प्रयोगात्मक परीक्षा व मूल्यांकन कार्य हेतु परीक्षकों की नियुक्ति किये जाएंगे। सभी माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों एवं प्रधानाचार्यों का डेटा अपडेट परिषद की वेबसाइट पर करायें। इसमें अध्यापकों के नाम, पदनाम, जन्मतिथि, नियुक्ति तिथि, पंजीकरण संख्या एवं अध्यापन का विषय पूर्ण सजगता से त्रुटिरहित अपलोड/अपडेट किया जाए। अध्यापकों की नियुक्ति जिस कक्ष (हाईस्कूल अथवा इण्टरमीडिएट) के लिए की गयी है उनके अध्यापन के विषय का कोड, उस कक्षा विशेष के लिए निर्धारित विषय कोड के अनुरूप ही होना चाहिए। उन्होंने कहा है कि ऐसे अध्यापक जो विद्यालय छोड़ चुके हैं अथवा दिवंगत हो गये हैं। उनके नाम पोर्टल से अनिवार्य रूप से डिलीट कर दिये जायें। इसके अलावा विद्यालय में नवनियुक्त अध्यापकों के डेटा को अवश्य अपलोड करा दिया जाये। किसी भी कार्यरत अध्यापक का विवरण अपलोड होने से छूटने न पाये। ऐसे अध्यापक/प्रधानाचार्य जो विभिन्न कारणों से माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा डिबार कर दिये गये हैं। उन्हें पोर्टल पर डेटा में डिबार श्रेणी में अवश्य दर्शाया जाये। किसी भी दशा में किसी अध्यापक का विवरण दो विद्यालयों में अपलोड नहीं होना चाहिए। प्रधानाचार्य अपने विद्यालय में कार्यरत अध्यापकों का डेटा फाइनल करने से पूर्व सुनिश्चित करेंगे कि उनके विद्यालय में कार्यरत अध्यापक किसी अन्य विद्यालय में पंजीकृत नहीं हैं। डुप्लीकेट विवरण वाले अध्यापकों का डेटा एक विद्यालय से डिलीट करा दिया जाये। सभी अध्यापकों के अन्य विवरणों के साथ–साथ उनके स्नातक एवं परास्नातक स्तर के विषयों का स्पष्ट विवरण एवं इनके शैक्षिक प्रमाण पत्रों को पोर्टल पर अपलोड कराया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बोर्ड की वेबसाइट 23 दिसम्बर तक खुली रहेगी। उससे पूर्व उक्त डाटा को अपडेट कर दें।

राया में खाद्य लाइसेंस पंजीकरण शिविर लगा

यूनिक समय, राया (मथुरा)। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की ओर से सादाबाद मार्ग पर निःशुल्क खाद्य लाइसेंस पंजीकरण बनबाने के लिये शिविर लगाया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी राम नरेश ने बताया कि हॉकर की श्रेणी में आने वाले ढकेल, चलती फिरती दुकान लगाने वाले दुकानदारों के निःशुल्क खाद्य लाइसेंस जारी कर प्रमाण पत्र/पहचान पत्र निर्गत किये

150 दुकानदारों ने कराया रजिस्ट्रेशन

जायेंगे। इस दौरान एफएसओ दलवीर सिंह, अरुण राणा, (मथुरा) जितेंद्र सिंह (गोवर्धन) एवं व्यापार मंडल के अध्यक्ष आलोक अग्रवाल, मुन्ना लाल अग्रवाल, कपिल अग्रवाल, पवन अग्रवाल, कोमल अग्रवाल, सुभाष चन्द्र अग्रवाल तथा राजेश गर्ग आदि मौजूद थे।

मंदिरों के आसपास सफाई कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। नगर आयुक्त शशांक चौधरी ने वृंदावन जोनल कार्यालय में वृंदावन जोन के सभी अधिकारी एवं विभागाध्यक्ष के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में नगर आयुक्त ने वृंदावन नगर में साफ सफाई, पेयजल, पैच मरम्मत, प्रकाश आदि पर चर्चा की। स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया गया कि मंदिर के समय सफाई का विशेष ध्यान रख नालियों की सफाई निरंतर कराई जाए। साथ ही सिल्ट का उठान कराया जाए। पैच मरम्मत के लिए अधिशासी अभियंता को निर्देशित किया गया कि मार्गो में कहीं भी गड्ढा न हो। मंदिर की ओर जाने वाले मार्ग को पूर्णतः अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए संबंधित अधिकारी को

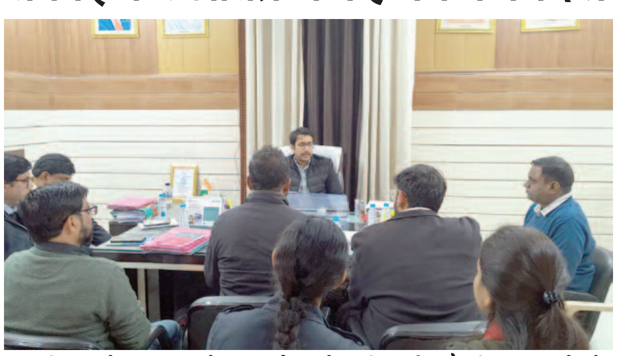

नगर निगम के वृंदावन जोन कार्यालय में अधिकारी और विभागध्यक्षों के साथ समीक्षा बैठक करते नगर आयुक्त शशांक चौधरी।

नियमित अतिक्रमण के विरुद्ध नियमित कार्रवाई किए जाने हेतु निर्देशित किया गया।

बैठक में अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक, अधिशासी अभियंता जल राम कैलाश, अधिशासी अभियंता सिविल मोद नारायण झा, क्षेत्रीय स्वास्थ्य अधिकारी महेश चंद्र एवं लिपिक गोपाल वशिष्ठ आदि उपस्थित थे।

निर्दोष गो रक्षकों को रिहा करने की मांग

यूनिक समय, राया (मथुरा)। गत दिनों मथुरा–वृंदावन मार्ग स्थित जंगल में मृत गायों के मिलने पर आंदोलन रत गो रक्षकों को गिरफ्तार करने और उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की घटना के बाद गो रक्षको में रोष है। हिंदूवादी संगठनों के पदाधिकारियों ने प्रशासन से गिरफ्तार गो रक्षकों को रिहा करने और उनके खिलाफ लगाए गये मिथ्या आरोपों को खारिज करने की मांग की है। शिव मंदिर में हुई हिन्दूवादियों की बैठक में गो रक्षक समिति के राकेश बंसल, रामप्रकाश शर्मा, मनोज शर्मा, सुभाष सिसोदिया, रमन लाल गर्ग, अजय खोखर, धर्मेंद्र चौधरी, मेमवीर सिंह, बिजेंदर शर्मा तथा हरीश चौधरी आदि मौजूद थे।

कान्हा माखन पब्लिक स्कूल का 18 वां वार्षिकोत्सव मनाया

कान्हा माखन पब्लिक स्कूल वृंदावन के 18वें वार्षिकोत्सव पर प्रस्तुति देते बच्चे।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा माखन पब्लिक स्कूल रूकमणि विहार, वृन्दावन शाखा के 18 वर्ष पूर्ण करने पर "उमंग" वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया लगभग एक हजार छात्र–छात्राओं ने अपनी रंगारंग प्रस्तुतियां प्रस्तुत कर कला प्रतिभा का परिचय दिया। महारास, भारत की महागाथा, सरस्वती वन्दना, योगा के माध्यम से नृत्य शैली व विशेष संस्कृति का परिचय, सुर–ताल, राग नृत्य से संगीत के सुरों का ज्ञान के द्वारा हिन्दू देवी देवताओं के प्रति आस्था प्रदर्शित की गई। विद्यालय परिवार की मैगजीन "आकांक्षा" का विमोचन भी किया गया।

कार्यक्रम में नोएडा के ए.डी.सी पी हृदेश कटारिया, पूर्व मंत्री रविकान्त गर्ग, एडीजी उमेश सिरोही, डॉ. अशोक अग्रवाल, रिटायर्ड कमिश्नर बी. के. सुथल, मनोज मोहन शास्त्री, धर्मेन्द्र चुग, सुरेश, रमाकान्त गोस्वामी, ओजमयानंद महाराज एवं डॉ. सुरेन्द्र शर्मा आदि उपस्थित थे। प्रधानाचार्य विनय शर्मा ने विद्यालय परिवार की उपलब्धियों व आगामी नवीन योजनाओं के क्रियान्वयन पर प्रकाश डाला। विद्यालय प्रबंधन समिति से सुनील अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, पुनीत अग्रवाल, शुभम अग्रवाल, हिमांशु अग्रवाल, आकाश अग्रवाल, प्रतीक अग्रवाल एवं ललित अग्रवाल आदि ने भाग लिया।

जिला बेसिक शिक्षकों के अवकाश पर 24 तक रोक

यूनिक समय, मथुरा। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त ने 24 दिसम्बर तक शिक्षक व शिक्षिकाओं के अवकाश लेने पर रोक लगा दी है। इससे जिले के शिक्षकों में हड़कंप मच गया है। श्री दत्त ने बताया कि जनपद में संचालित समस्त परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र छात्राओं को निपुण बनाने / विद्यालयों को निपुण बनाने के लिए निपुण आंकलन डाइट प्रशिक्षुओं द्वारा किया जाना प्रस्तावित है।

कार्यक्रम राज्य सरकार के प्राथमिक कार्यक्रम में शामिल है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन एवं निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध समप्राप्ति को यह निर्णय लिया गया है। 18 से 24 दिसम्बर तक शिक्षक/शिक्षिकाओं को किसी भी प्रकार का कोई अवकाश देय नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि अवकाश पर गए शिक्षक/शिक्षिकाएं निपुण आंकलन की निर्धारित तिथि से दो दिन पहले से विद्यालय में उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे।

सोने की ईंट सस्ते दामों पर बिक्री करने वाला गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता

यूर्निक समय, मथुरा। थाना बरसाना पुलिस ने सोशल मीडिया के माध्यम से ठगी करने वाले एक शातिर युवक को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार निर्वाल ने बताया कि उप निरीक्षक रविभूषण अपनी टीम के साथ कामां बॉर्डर की ओर जा रहे थे। रास्ते में बॉर्डर पर बने गेट के समीप से एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से पीली धातु के दो कटे हुए टुकड़े, मोबाइल आदि बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त हक्कू उर्फ हकमुद्दीन निवासी भंडारा थाना जुरहेरा जिला डीग राजस्थान सोशल मीडिया (फैसबुक) के माध्यम से सोने की ईंट आदि की सस्ते दामों पर बिक्री करने के लिए लालच देकर लोगों के साथ ठगी करता है। पुलिस ने उसके पास से मोबाइल दो सिम और तीन फर्जी आधार कार्ड आदि बरामद किए हैं।

नेत्र परीक्षण शिविर का कल

यूनिक समय, मथुरा। लक्ष्मी नारायण मेमोरियल एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा स्व. श्री लक्ष्मीनारायण अग्रवाल जी की स्मृति में कल सुबह 9.30 बजे प्राथमिक विद्यालय असगरपुर, गोवर्धन रोड सतोहा में बच्चों को स्कूल बैग, स्टेशनरी, फल बिस्कुट, किए जाएंगे। उसके बाद प्रथम पहल फाउंडेशन के सहयोग से नेत्र परीक्षण, स्वास्थ्य, शिविर लगाया जाएगा। जिससे आगरा और मथुरा मंडल के कुशल डॉ.अपनी अपनी सेवा देंगे। शिविर में एक्सरे, ईसीजी, नेत्र परीक्षण कर किया जाएगा। नेत्र परीक्षण कर आंखों के चश्मा भी वितरित किए जाएंगे। शाम को 8 बजे अन्नपूर्णा फाउंडेशन के तत्वाधान में असहाय लोगों को होली गेट जी एम सर्राफा मार्केट पर भोजन वितरित किया जाएगा।

अल्पसंख्यक अधिकार दिवस पर डीएम का आह्वान

सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं अल्पसंख्यक

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। डीएम शैलेन्द्र कुमार सिंह ने अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों का आह्वान किया कि वे कल्याण के लिए केन्द्र व राज्य सरकार के माध्यम से संचालित योजनओं का लाभ लें। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अल्पसंख्यक कल्याण की योजनाओं का प्रचार-प्रसार स्कूलों व कॉलेजों के माध्यम से करें।

कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित अल्पसंख्यक अधिकार दिवस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते डीएम शैलेन्द्र कुमार सिंह।

कलेक्ट्रेट सभागार में अल्पसंख्यक अधिकार दिवस पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि सरकारी योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिए गुरुद्वारा, मस्जिदों का प्रयोग कर सकते हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी नगेन्द्र पाल सिंह ने विभाग द्वारा संचालित योजना सभी पेंशन योजना, परिवारिक लाभ, सामूहिक विवाह योजनाओं के बारे में अवगत कराया। डिप्टी सीएमओ डॉ. चित्रेश कुमार ने केन्द्र सरकार की आयुष्मान कार्ड योजना का लाभ कैसे लें और ये कार्ड कैसे बनाये के बारे में अवगत कराया। जिला पूर्ति अधिकारी सतीश कुमार मिश्रा ने बताया कि सरकार की राशन कार्ड योजना से अवगत कराया। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी प्रशांत कुमार सिंह ने अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजनाओं पर प्रकाश डाला। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त, जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास चंद ने अपने-अपने विभाग में संचालित योजनाओं से मौजूद अल्पसंख्यक के लोगों को जानकारी उपलब्ध कराई।

टटलुओं को सिम बिक्री करने वाला युवक पकड़ा

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन पुलिस ने टटलुओं को सिम बिक्री करने वाले एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 4 सिमकार्ड बरामद हुए हैं।

गोवर्धन पुलिस को पता लगा कि एक युवक दूसरे राज्यों से खरीद कर लाए गए मोबाइल सिमों को टटलुओं को बिक्री करता है। पुलिस ने इस जानकारी पर देवसेरस मडोरा बम्बे वाली रोड पर बनी पिलवा वाली पुलिया से अनिल निवासी ग्राम देवसेरस को गिरफ्तार कर उसके पास से चार दूसरे राज्यों की सिम बरामद की है।

पुलिस के अनुसार अभियुक्त द्वारा दूसरे राज्य से गरीब लोगों को कुछ पैसे का लालच देकर उनके कागजात पर सिम खरीद कर लाने के बाद टटलुओं को उंचे दामों पर बिक्री करता है।

"बोलती तस्वीर"

प्रदूषित धुएं को रोकने वाले कहां हैं

वृंदावन में रेलवे स्टेशन की खाली पड़ी भूमि पर किसी ने कचरे में आग लगा दी। आग से प्रदूषित काले धुएं से आसपास के लोग सुबह-सुबह बेचैन होने लगे। किसी भी विभाग ने आग को बुझाने के लिए प्रयास नहीं किए।

हाईवे क्रॉस करते वृद्ध को ट्रक ने रौंदा

अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ा

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र स्थित मंडी समिति के समीप हाईवे पर सड़क पार करने के दौरान एक वृद्ध को ट्रक ने रौंद दिया। गंभीर रूप से घायल वृद्ध ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। थाना रिफाइनरी के गांव मदनपुरा के रहने वाले गंगा शरण (60) किसी काम से कल सायं मंडी समिति गए थे। बताया गया कि वह मंडी में अपना काम निपटाने के बाद गांव जाने के लिए टेंपो पकड़ने के लिए हाईवे क्रॉस कर रहे थे। इसी दौरान तेज गति से आते ट्रक ने उन्हें रौंद दिया। दुर्घटना में गंगा शरण बुरी तरह से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को जिला अस्पातल पहुंचाया। बताया गया कि अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हाईवे पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

शहीदों के परिजनों का अभिनन्दन 22 को

यूनिक समय, मथुरा। जो शहीद हुए हैं उनकी जरा याद करो कुर्बानी...देश के लिए अपनी जान देने वाले शहीदों के परिजनों का सार्वजनिक अभिनन्दन संस्कार भारती 22 दिसंबर को करेगी। अग्र वाटिका में होने वाले कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दिल्ली से लेफ्टिनेंट जनरल (रि.) विष्णु कांत चतुर्वेदी होंगे।

ग्राम बेगमपुर, फरह के शहीद सत्येन्द्र सिंह, शहीद राजेश कुमार, शहीद छत्तर सिंह के परिजनों को सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर एक चित्रकला प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी। समारोह में कवि मोहित सक्सेना शहीदों को काव्यांजलि अर्पित करेंगे।

प्राथमिक विद्यालयों के शैक्षणिक स्तर का आंकलन शुरू

ब्लॉक वार चयनित विद्यालयों में कक्षा एक व दो के छात्रों का परखा जाएगा ज्ञान

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिले के 507 विद्यालयों में आज से निपुण आंकलन शुरू हो गया। नंदगांव, बलदेव व मांट ब्लॉक के विद्यालयों में डाइट के प्रशिक्षु छात्र-छात्राओं ने पहुंचकर कक्षा एक व दो के बच्चों का पढ़ाई का स्तर निपुण एप के माध्यम से ऑनलाइन जांचा।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त ने बताया कि यह आंकलन 28 दिसंबर तक प्रत्येक ब्लॉक के चयनित विद्यालयों में किया जा रहा है। विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों के अलावा उनको पढ़ाने वाले शिक्षकों का स्तर भी पता किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पिछली बार प्रदेश भर में मथुरा चौथे स्थान पर था। आंकलन फरह, चौमुहां और नौहझील के चयनित विद्यालयों में होगा। उसके आधार पर विद्यालयों की ग्रेडिंग होगी।

नशीले पाउडर के साथ एक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन पुलिस ने एक अभियुक्त को नशीला पाउडर एल्प्राजोलम के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रामलीला मैदान राधाकुंड के समीप से एक अभियुक्त कन्हैया निवासी शिवनगर कॉलोनी राधाकुंड को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 220 ग्राम नशीला पाउडर एल्प्राजोलम बरामद किया है। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीसी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

सेवा ही संकल्प हमारा

स्व. श्रीमती कान्ती देवी जी

के.डी. मेडिकल कॉलेज हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेंटर

अकबरपुर, छाता, मथुरा, मो. 7055400400, 7088105741

हम सब की प्रेरणास्त्रोत, सदैव भक्तिभाव में लीन रहने वाली समाजसेविका, मृदुभाषी, प्रेम की प्रतिमूर्ति **स्व. श्रीमती कान्ती देवी जी** की पुण्य स्मृति में

विशाल निःशुल्क नेत्र शिविर

शिविर में उच्च प्रशिक्षित एवं अनुभवी चिकित्सकों की टीम द्वारा नि:शुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिन्द का ऑपरेशन आधुनिक लेजर तकनीक द्वारा किया जायेगा। क्षेत्र के समस्त रोगी जिनकी आँखों से पानी आता है, रोशनी कम हो रही है, मोतियाबिन्द है, काला मोतियाबिन्द है, भैंगापन है, आँखों के पर्दे से सम्बन्धित बीमारी है तो अधिक से अधिक संख्या में आकर चिकित्सा का लाभ लें और इस नि:शुल्क चिकित्सा शिविर रूपी यज्ञ को सफल बनाएं।

स्थान:- के॰डी॰ मेडिकल कॉलेज हॉस्पीटल (पहली मंजिल ओपीडी नं. 4)
शिविर अवधि:- 20 दिसम्बर 2024 से 19 जनवरी 2025 तक
पंजीकरण समय:- प्रात: 9 से सायं 4 बजे तक (रविवार अवकाश)

फैको की अत्याधुनिक मशीन द्वारा विदेशी प्रीमियम IOL जैसे ऐल्कॉन आईक्यू एवं टैक्नीस लैंस अन्य अस्पतालों से आधी कीमत पर लगाए जा रहे हैं।

हाथिया विद्यालय के आधा दर्जन अध्यापक व शिक्षा मित्रों का वेतन रोका

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त ने प्राथमिक विद्यालय हाथिया द्वितीय के प्रधानाध्यापक सहित पांच अध्यापक व दो शिक्षा मित्र की लापरवाही सामने आने पर अग्रिम आदेश तक वेतन रोक दिया है। सभी से तीन दिन में अपना साक्ष्य सहित स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए हैं। खंड शिक्षा अधिकारी नंदगांव ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को अवगत कराया है कि 9 दिसम्बर को अपराह्न 2.45 बजे प्राथमिक विद्यालय हाथिया द्वितीय का निरीक्षण किया गया। इसमें प्रधानाध्यापक भूदेव प्रसाद शर्मा, सहायक अध्यापक नरेश कुमार शर्मा, धर्मवीर सिंह, शिक्षामित्र रोहताश कुमार उपस्थित मिले। जबकि सहायक अध्यापक सत्य प्रकाश सिंह चिकित्सा अवकाश पर थे। शिक्षामित्र श्रीमती ऊषा यादव अनुपस्थित पायी गयी।

बीईओ नंदगांव की रिपोर्ट पर बीएसए ने कार्रवाई की

ऊषा के विद्यालय उपस्थिति पंजिका में हस्ताक्षर पाये गये। विद्यालय में पंजीकृत 59 बच्चों के सापेक्ष एमडीएम पंजिका में 40 बच्चे उपस्थित दर्शाये गये थे। किन्तु निरीक्षण के समय विद्यालय में कोई भी बच्चा नहीं पाया गया। इस पर बीएसए ने प्रधानाध्यापक भूदेव प्रसाद शर्मा द्वारा एमडीएम पंजिका में 40 बच्चे उपस्थित दर्शाने परन्तु विद्यालय में अपराह्न 2.45 बजे किसी भी छात्र/छात्रा का उपस्थित ना पाए जाने पर सहायक अध्यापक सत्य प्रकाश सिंह को छोड़कर अन्य समस्त स्टाफ द्वारा विभागीय कार्यों में रूचि ना लेने के कारण उनका वेतन अग्रिम आदेश तक रोक दिया है।

पीएम श्री योजना में विद्यालयों ने किया 41.65% व्यय

मथुरा के बॉटम 10 जनपदों में शामिल होने पर महानिदेशक शिक्षा नाराज

बीएसए ने अब सभी प्रधानाध्यापकों को योजना का व्यय बढ़ाने के लिए दिया तीन दिन का समय

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जनपद के परिषदीय विद्यालयों में पीएम श्री योजना में लक्ष्य के सापेक्ष व्यय कम दर्शाने पर महानिदेशक शिक्षा ने नाराजगी जाहिर की है। पीएम श्री योजना में जनपद प्रदेश के सभी जिलों में बॉटम 10 में है। ऑनलाइन महानिदेशक की बैठक के बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त ने सभी प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापक व इंचार्ज प्रधानाध्यापकों को निर्देश दिए कि पीएम श्री योजना में तीन दिन के अंदर 80 प्रतिशत व्यय करके कार्यों को पूरा कराएं। बीएसए ने बताया कि उनके द्वारा भी विगत 15 दिनों से नियमित ऑनलाइन गूगल मीट के माध्यम से समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारियों एवं समस्त जिला समन्वयकों के साथ समीक्षा बैठक की जा रही है।

ट्रेनों में चोरी करने वाला मोबाइल चोर गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। जीआरपी मथुरा जंक्शन ने ट्रेन में मोबाइल चोरी करने वाले एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी का एक मोबाइल बरामद किया है।

थाना प्रभारी निरीक्षक यादराम सिंह ने बताया कि ट्रेनों व स्टेशनों पर आपराधिक घटनाओं को रोकथाम एवं सघन चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस की टीम प्लेटफार्म नंबर एक पर आगरा साइड बने अंतिम टीन

चोरी किया गया मोबाइल भी किया बरामद

शेड के पास पहुंची तो वहां पुलिस को एक संदिग्ध युवक बैठा दिखाई दिया। पुलिस ने उसे पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक मोबाइल फोन भी मिला। पुलिस ने फोन के बारे में जानकारी की तो युवक ने उसे चोरी का बताया। मोबाइल को उसने ट्रेन में यात्रा करने के दौरान चोरी किया।

अभियुक्त पुष्पेन्द्र उर्फ रामु निवासी प्राइमरी स्कूल के पीछे गांव उस्मानपुर थाना खंदौली जिला आगरा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिरफ्तार करने वाली टीम में उप निरीक्षक आशुतोष सिंह व मुख्य आरक्षी बृजेन्द्र सिंह, सुरेश कुमार हैं।

मथुरा से कांग्रेसी लखनऊ प्रदर्शन में भाग लेने पहुंचे

कांग्रेस के लखनऊ प्रदर्शन में भाग लेते महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष विक्रम वाल्मीकि आदि।

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे, राष्ट्रीय सचिव तौकीर आलम के आह्वान पर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में आयोजित 'जनता मांगे जवाब, कब दोगे हिसाब' अभियान के तहत उत्तर प्रदेश विधानसभा का घेराव करने के लिए मथुरा से भी कांग्रेसियों ने महानगर अध्यक्ष विक्रम वाल्मीकि के नेतृत्व में

पुलिस ने कई जगह रोका कांग्रेसियों को

लखनऊ में भाग लिया। इसमें प्रदेश महासचिव मुकेश धनगर ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने मजबूत प्रयास किए और कई कांग्रेस नेताओं को घर में नजरबंद कर दिया गया, लेकिन कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ता लखनऊ पहुंचे और विरोध प्रदर्शन में भाग लिया।

सीएसआईआर का भ्रमण कर लौटे स्टूडेंट्स

भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राएं सीएसआईआर नई दिल्ली में।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के बीटेक तृतीय और चतुर्थ वर्ष के छात्रों एवं एएसएम पॉलिटेक्निक डिप्लोमा के द्वितीय और तृतीय वर्ष के छात्रों ने सीएसआईआर-सैंट्रल रोड रिसर्च इंस्टिट्यूट, नई दिल्ली में भ्रमण किया। औद्योगिक भ्रमण के अंतर्गत वैज्ञानिक डॉ. सरफराज अहमद ने सड़क निर्माण में होने वाले विभिन्न प्रकार की नवीनतम तकनीकी के आधार पर रोड अनुसंधान में किए जाने वाले प्रयोग तथा सामग्री के गुणवत्ता के बारे में किए जाने वाले परीक्षण की प्रक्रियाओं को बताया। कार ड्राइविंग सिम्युलेटर डिवाइस द्वारा वाहन से होने वाली संभावित नुकसान के बारे में आंकलन करना प्रदर्शित किया।

छात्रों के साथ विभाग के शिक्षक राजीव वर्मा एवं शिक्षिका प्रभात कुमारी ने सहयोग प्रदान किया। संस्थान के चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल, वाइस चेयरमैन इंजी. नितिन मित्तल, निदेशक प्रो. डॉ. श्याम सुन्दर अग्रवाल, ए.एस.एम निदेशक प्रो. डॉ. लोकेन्द्र कुमार शर्मा, रजिस्ट्रार भगवान सिंह, विभागाध्यक्ष विकास दुबे एवं मोहित सिंह ने कहा कि औद्योगिक भ्रमण से ही आज का छात्र विकसित होगा एवं मौजूदा दौर में प्रयोगात्मक ज्ञान अति आवश्यक है।

देश में मिल रहा है पर्यटन से रोजगार

डॉ. बीआर आंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा के सभागार में आयोजित अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में मंचासीन बीएसए के प्रो. डॉ. शिवराज भारद्वाज व अन्य।

यूनिक समय, मथुरा। भारत वर्ष में ही नहीं अपितु संपूर्ण विश्व में पर्यटन उद्योग को सुलभ सहज और आकर्षक बनाने, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के बढ़ते हुए प्रयोग ने पर्यटन उद्योग में नित नए कीर्तिमान स्थापित कर, विश्व जगत का ध्यान अपनी ओर गंभीरता से आकर्षित किया है। इसका परिणाम यह हुआ है की पर्यटन उद्योग का प्रतीक क्षेत्र की गति से विकास कर रहा है।

यह विचार बीएसए कॉलेज के वरिष्ठ प्रोफेसर एवं शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. शिवराज भारद्वाज ने संयुक्त राज्य अमेरिका, पर्यटन विभाग उत्तर प्रदेश, डॉ. बी आर अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा समेत अन्य कई अंतराष्ट्रीय संस्थाओं के सहयोग से होटल प्रबंधन एवं पर्यटन विभाग संस्कृति भवन डॉ. बी आर आंबेडकर

पर्यटन उद्योग से मिल रही है भारत को पहचान : डॉ. शिवराज

विश्वविद्यालय आगरा के सभागार में आयोजित अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में व्यक्त किये। उन्होंने अपने शोध पत्र में बताया कि पिछले एक दशक में पर्यटन उद्योग ने देश के सकल राष्ट्रीय घरेलू उत्पाद में लगभग 9% से भी अधिक धनराशि का योगदान किया है और कल रोजगार का लगभग 11% भाग पर्यटन उद्योग द्वारा पूरा किया जा रहा है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी बढ़ती हुई भूमिका के कारण आज अंतर्राष्ट्रीय पटल पर भारत की पहचान चिकित्सा पर्यटन में अग्रणी देश के रूप में बनी हुई है।

ग्राहक व्यवसाय सम्मेलन

पंजाब नेशनल बैंक की योजनाओं पर डाला प्रकाश

मथुरा में ग्राहक व्यवसाय सम्मेलन का शुभारंभ करते पंजाब नेशनल बैंक अलीगढ़ मंडल के अधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। पंजाब नेशनल बैंक के मंडल कार्यालय अलीगढ़ के तत्वावधान में एक होटल में आयोजित ग्राहक व्यवसाय सम्मेलन में पंजाब नेशनल बैंक के मंडल प्रमुख राजेश कुमार, उप मंडल प्रमुख राजेश कुमार पांडे, सीसी प्रमुख विजय बिहारी प्रसाद, पीएलपी प्रमुख आलोक कुमार मौर्य आए। मथुरा के कई व्यापारियों और ग्राहकों ने भी भाग लिया। अधिकारियों ने बैंक की प्रमुख योजनाओं की विशेषताओं से व्यापारी एवं ग्राहकों को अवगत कराया। उन्होंने पीपीटी के माध्यम से बैंक के महत्वपूर्ण सेक्टर तथा एमएसएमई सेक्टर रिटेल सेक्टर इत्यादि की मुख्य योजना और प्रमुख उत्पादों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर नवीन मित्तल, संतोष शर्मा, अनुराग मित्तल, हेमंत अग्रवाल, राजकुमार भाटिया, नंदकिशोर उपमन्यु और सर्वेश शर्मा आदि उपस्थित थे।

एलीट स्कूल के वार्षिकोत्सव पर रंगारंग प्रस्तुतियां

एलीट न्यू जेनेरेशन इन्टरनेशनल स्कूल के बच्चे प्रस्तुति देते हुए।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। एलीट न्यू जेनेरेशन इन्टरनेशनल स्कूल के प्रांगण में 'मेराकी' वार्षिक दिवस समारोह आयोजित किया। महामंडलेश्वर योगी नवल गिरी महाराज, एसपी सिटी डॉ. अरविन्द कुमार, एसपी क्राइम अवनीश कुमार मिश्रा तथा शिक्षाविद ब्लागर श्रीमती दीपिका दीक्षित मुख्य अतिथि थे। संस्था के चैयरमैन रमेशचंद अग्रवाल, वाइस चैयरमैन महेशचंद अग्रवाल व सेक्रेटरी दिनेशचंद अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया। कक्षा प्ले से कक्षा 3 के विद्यार्थियों ने गणेश वंदना से अपनी प्रस्तुतियों का आगाज किया।

जम्मू कश्मीर, पंजाब, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, राजस्थान, बंगाल, नागालैंड, डांस आदि प्रमुख प्रस्तुतियां रहीं। विद्यालय की डायरेक्टर्स संगीता अग्रवाल तथा रितेश अग्रवाल ने अतिथियों को स्मृति चिह्न प्रदान कर आभार जताया। प्रधानाचार्य अंकित खण्डेलवाल ने अकादमिक वर्ष 2023-24 की रिपोर्ट पर प्रकाश डाला। एडमिनिस्ट्रेटर मुकेश चौधरी व ओएसडी डॉ. सौरभ तिवारी ने सभी का आभार जताया।

फरमान गैंग से पुलिस व एसओजी की मुठभेड़

गैंग लीडर भाग निकलने में कामयाब

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। एसओजी और फरह पुलिस की ओल रोड पर नाले के समीप फरमान गैंग के साथ मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने मौके से घायल सहित दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। गैंग लीडर पुलिस से बचकर भाग निकला।

गौरतलब है कि जनपद में फरमान गैंग ने शोरूम और ज्वैलर्स आदि की दुकानों में लूटपाट कर आतंक बना रखा है। बीती रात एसओजी टीम और फरह पुलिस को जानकारी मिली कि

मुठभेड़ में गोली लगने से घायल बदमाश आमिर को ले जाती पुलिस।

गोली लगने से एक बदमाश घायल

पुलिस ने घायल सहित दो को गिरफ्तार किया

फरमान गैंग फरह क्षेत्र में किसी वारदात को अंजाम देने के लिए आना वाले हैं। इस सूचना पर पुलिस और एसओजी टीम ने बदमाशों की घेराबंदी की। पुलिस टीम की दीनदयाल धाम गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र के गेट के पास ओल रोड के नाले पर बाइक सवार बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में पुलिस की एक गोली बदमाश के पैर में लगी, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने मौके से घायल बदमाश आमिर निवासी सुखदेव नगर थाना कोतवाली के अलावा मोनू मौहम्मद बंगाली मस्जिद के पास नसबंदी कॉलोनी लोनी गाजियाबाद को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार मौके से गैंग लीडर फरमान भाग गया। पुलिस के अनुसार गैंग ज्वैलर्स, बिल्डिंग मटीरियल, खाद बीज आदि की दुकानों एवं महिलाओं के साथ लूटपाट की वारदात करने के बाद फरार हो जाता है।

विप्रा ने अवैध कॉलोनियों पर चलाया महाबली

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण की टीम ने वाद संख्या 277/ 23 24 प्रभात कुमार चतुर्वेदी द्वारा आराध्य स्टेट के पीछे मौजा वाकलपुर गणेशरा में लगभग 2000 वर्ग मीटर, वाद संख्या 432/ 23 24 दाऊदयाल पुत्र ओम प्रकाश द्वारा देवीपुरा गणेशरा रोड अंडर फ्लाई ओवर के पास लगभग 1010 वर्ग मीटर भूमि पर निर्माण, वाद संख्या 248/ 2023 24 सीता राम ग्राम वाकल पुर वाले नगला मोरा की ओर हरे कृष्णा ऑर्किड के पास रजवाहे मथुरा में लगभग एक बीघा भूमि पर, वाद संख्या 299/2023 24 होती सिंह पुत्र फूल चंद द्वारा देवी पुरा बाजना रोड पर देवी पुरा पर लगभग 2.5 बीघा भूमि पर बिना मानचित्र स्वीकृति कराए अवैध कॉलोनियों के अन्तर्गत सड़क नाली व चार दीवारी गेट एवं निर्माणाधीन भवन डीपीसी आदि का विकास कार्य करते हुए भूखंडों का विक्रय किए जाने पर निर्माण कर्ता को विकास कार्य बंद करते हुए अपना पक्ष रखने हेतु नोटिस जारी किए गए। निर्धारित अवधि में निर्माण कर्ता के उपस्थित न होने पर सभी वादों में सक्षम प्राधिकारी ने ध्वस्तीकरण आदेश पारित किए।

जिलाधिकारी कार्यालय द्वारा तैनात मजिस्ट्रेट श्रीमती प्रीति जैन, सहायक अभियंता अशोक चौधरी, अवर अभियंता सुनील राजौरिया, प्रवर्तन दल एवं थाना हाईवे पुलिस बल की उपस्थिति में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई में स्थानीय जन द्वारा विरोध किए जाने पर पुलिस द्वारा भीड़ को स्थल से बलपूर्वक हटाया गया।

नगर आयुक्त ने वृंदावन में औचक निरीक्षण किया

वार्ड 70 बिहारीपुरा में निरीक्षण करते नगर आयुक्त शशांक चौधरी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। नगर आयुक्त शशांक चौधरी ने वार्ड 70 बिहारीपुरा एवं वृंदावन परिक्रमा मार्ग का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने सफाई का कार्य कर रही किंग सिक्योरिटी गार्ड सर्विस संस्था के प्रतिनिधि को निर्देशित किया गया कि मंदिर के समय सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। श्रद्धालुओं को गंदगी से न गुजरना पड़े। मंदिर के आसपास की नालियों की पर्याप्त सफाई कराई जाए, जिससे नाली चौक न होने पाएं। इसके अतिरिक्त नाला एवं नाली की सफाई उपरान्त निकली सिल्ट को तत्काल उठवाया जाए। वृंदावन परिक्रमा मार्ग में हर समय सफाई सुनिश्चित की जाए। मंदिर की ओर जाने वाले मार्ग को पूर्णतः अतिक्रमण मुक्त रखने हेतु संबंधित को अधिकारी को नियमित अतिक्रमण के विरूद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई किए जाने हेतु निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय स्वास्थ्य अधिकारी महेश चंद्र, किंग सिक्योरिटी गार्ड सर्विस संस्था के प्रतिनिधि एवं आदि कर्मचारी उपस्थित थे।

गोवर्धन भाजपा मंडल की नामांकन प्रक्रिया पूरी

यूनिक समय, गोवर्धन। चुनाव अधिकारी योगेन्द्र चतुर्वेदी की उपस्थिति में डीग रोड स्थित कार्यालय पर दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक भाजपा मंडल अध्यक्ष की नामांकन प्रक्रिया सम्पन्न हुई। चुनाव अधिकारी योगेन्द्र चतुर्वेदी ने बताया कि मंडल अध्यक्ष के लिए 08 कार्यकर्ताओं ने अपने नामांकन किये इसमें 1 महिला कार्यकर्ता ने भी आवेदन किया हैं। नामांकन फार्मों की जांच उपरांत नेतृत्व द्वारा मंडल अध्यक्षों की घोषणा की जाएगी।

डीआरएम ने कोसीकलां व होडल स्टेशन का निरीक्षण किया

निरीक्षण के दौरान जानकारी हासिल करते डीआरएम तेज प्रकाश अग्रवाल।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। आगरा मंडल रेल प्रबंधक तेज प्रकाश अग्रवाल ने मथुरा–पलवल रेल खंड का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण की शुरुआत आगरा कैंट से विंडो ट्रेलिंग माध्यम से की। उन्होंने मार्ग में आने वाले रेल पथ एवं उसके पास के सभी इंस्टालेशनो जैसे सिग्नल, ओएचई, प्लेटफॉर्म पर सफाई इत्यादि का चलती हुई निरीक्षण यान की पिछली खिड़की से निरीक्षण किया। उन्होंने अन्य संरक्षा सम्बंधित कार्यों के साथ–साथ, राइडिंग गुणवत्ता विशेष तौर से प्वॉइंट एवं क्रॉसिंग पर ट्रैक ज्योमेट्री इंडेक्स मे सुधार, ओएमएस (औसिलेशन मोनिटरिंग सिस्टम) विवरण, ओएचई की स्थि?ति, मार्ग के लेवल क्रॉसिंग गेटों की स्थिति, पटरी के आस पास स्क्रैप की स्थिति, साफ–सफाई, वायरिंग या लूज़ इंस्टॉलेशन, मार्ग में आने वाले माइनर व मेजर ब्रिज के साथ–साथ उक्त खंड में चल रहे कार्यों का जायजा लिया। अमृत भारत स्टेशन में चयनित कोसीकलां व होडल रेलवे स्टेशन के निरीक्षण के दौरान यात्री सुविधाऐं, सर्कुलेटिंग एरिया का बारीकी से निरीक्षण किया एवं स्टेशन पर चल रहे नवनिर्मित कार्यो की समीक्षा की। मथुरा पलवल खंड में विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण में संरक्षा पर विशेष जोर दिया गया। होडल रेलवे स्टेशन पर स्टेशन सलाहकार समिति के सदस्यों ने मंडल रेल प्रबंधक को कोरोना काल में बंद की हुई ट्रेन कोसीकलां– गाजियाबाद, जनता एक्सप्रेस को वापस चलाने के लिए व समपार संख्या 552 पर अंडरपास बनाने के संबंध में ज्ञापन दिया। मंडल रेल प्रबंधक के साथ मुख्य परियोजना प्रबंधक/गति शक्ति एम पी सिंह, उप मुख्य विद्युत इंजी./गति शक्ति चन्द्र पाल, उप मुख्य इंजी./गति शक्ति होतम सिंह, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमित आनन्द, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर प्रथम नितिन गर्ग, मंडल परिचालन प्रबंधक कु. प्रशस्ति श्रीवास्तव एवं अन्य अधिकारी और कर्मचारी शामिल थे।

मथुरा की एक प्रिंटिंग प्रेस पर छापा

महाराजा अग्रसेन प्रिंटिंग प्रेस पर छापा मारने आए अधिकारियों की खड़ी कार और बिखरा सन्नाटा।

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मैनागढ़ क्षेत्र में स्थित एक प्रिंटिंग प्रेस पर आज सुबह से छापा मारने की सूचना है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तीन वाहनों पर सवार होकर अधिकारियों की टीम पहुंची। छापे की किसी को खबर नहीं लग जाए, इसके लिए टीम ने अंदर से दरवाजा बंद कर दिया था। किसी को भी आना जाने की अनुमति नहीं थी। टीम के साथ आए पुलिस कर्मी प्रतिष्ठान के बाहर सड़क पर लगातार निगरानी कर रहे थे। किसी को भी इस प्रतिष्ठान के आसपास भी आने–जाने नहीं दिया जा रहा था। ये स्पष्ट नहीं हो सका था जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय की टीम थी या जीएसटी की है। वैसे लोग चेकिंग टीम को जीएसटी बता रहे थे। इस बारे में टीम के किसी भी अधिकारी से बातचीत नहीं हो सकी। इसलिए स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी।

मुख्यमंत्री के कहने पर भी मथुरा–वृंदावन में नहीं लगी लपकों पर लगाम

तीर्थ पुरोहित महासभा ने किया रोष व्यक्त

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासंघ के बृजमंडल महामंत्री यज्ञदत्त चतुर्वेदी ने बताया कि महासंघ की कोर कमेटी की हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि जिलाधिकारी को एक बार पुनः मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया जाए, मथुरा– वृंदावन के तिराहे चौराहे पर लपके बैठे हुए हैं। उन्हें गैर जिलों की गाड़ियों के नंबर कोड कंठस्थ है। तीर्थयात्रियों की गाड़ियों को वह दूर से ही पहचान लेते हैं। स्थानीय तीर्थ पुरोहित भी इनकी हरकतों से परेशान हैं, लेकिन प्रशासन इन पर लगाम नहीं लगा पा रहा है।

मुख्यमंत्री ने आगरा दौरे पर आगरा–मथुरा में लपको पर जो पंडे बने

तीर्थ पुरोहित महासभा के पदाधिकारी बैठक करते हुए।

घूम रहें हैं उन पर रोक लगाने की बात कही थी। तीर्थपुरोहित और लपकों की तस्वीर भी साफ हो गई। तीर्थपुरोहित के यजमान तो उनके यहां पहुंच रहे, लेकिन लपका मंडली नए तीर्थयात्रियों को गुमराह करने का काम अभी भी कर रही है। हाईवे पर छटीकरा, श्रीकृष्ण जन्मभूमि कट, टाउनशिप और यमुना एक्सप्रेस वे, कृष्णापुरी तिराहा पानी गांव मार्ग आने वाले तीर्थयात्रियों को रोकने को तैनात रहते हैं। मथुरा, वृंदावन के तिराहे–चौराहे इनका ठिकाना है। शहर में भूतेश्वर तिराहे, कृष्णा नगर चौराहा, स्टेट बैंक चौराहा, श्रीकृष्ण जन्मस्थान,

अब मुख्यमंत्री के नाम डीएम को देंगे ज्ञापन

डीगगेट, गोवर्धन चौराहा, मसानी चौराहा और मुर्गा फाटक, धौली प्याऊ मोड़ पर यह लपकागिरी कर रहे हैं। इनकी कोई उम्र भी नहीं, कोई धर्म भी नहीं है। 18 साल से लेकर पचास–साठ साल आयु वर्ग के लपका हैं। इनका केवल उद्देश्य तीर्थ यात्रियों को आर्थिक हानि पहुंचना हैं।

बैठक मे भागवताचार्य लालजीभाई शास्त्री विनोद चतुर्वेदी, आमित भारद्वाज, पंडित मुरारीलाल उपाध्याय, अजय चतुर्वेदी, नीरज चतुर्वेदी, गोपाल चतुर्वेदी एवं लोकेश चतुर्वेदी आदि उपस्थित थे।

कोहरे ने ली एक युवक की जान, दो गंभीर

यूनिक समय, मथुरा। कोहरे के चलते थाना राया क्षेत्र अंतर्गत कोयल फाटक से आगे सड़क किनारे खड़े ट्रक में बाइक घुस गई। बाइक के ट्रक से टकराने पर एक युवक की मौत हो गई और उसके दो साथी घायल हो गए।

राया थाना प्रभारी निरीक्षक अजय कौशल ने बताया कि मंगलवार की रात करीब 11 बजे राया–अलीगढ़ रोड पर कोयल फाटक से आगे एक ट्रक में डीजल खत्म हो गया था। इसके चलते ट्रक रोड पर ही खड़ा हो गया। ट्रक का डीजल समाप्त होने के कारण क्लीनर डीजल लेने गया था।

इसी दौरान पीछे से आ रहे बाइक सवारों को कोहरे के चलते सड़क किनारे खड़ा ट्रक नजर नहीं आया और उनकी बाइक ट्रक से टकरा गई। इसके चलते बाइक सवार सुमित (28),

राया के कोयल फाटक के आगे खड़े ट्रक से बाइक टकराई

बाइक सवार एक युवक की हुई मौत, दो का चल रहा है इलाज

भूपेन्द्र और लवकुश निवासी भटोला, जलाली अलीगढ़ गंभीर रूप से घायल हो गये। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों घायलों को उपचार के लिए भर्ती कराया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने युवक सुमित को मृत घोषित कर दिया।

दुर्घटना में घायल हुए लवकुश और भूपेन्द्र का उपचार चल रहा है। पुलिस ने दुर्घटना के बारे में उनके परिजनों को सूचना दी थी। इसके बाद मृतक सुमित के शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया है।

सुबह हाथ पैरों का सुन्न होना

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर सुबह उठते ही आपको महसूस होता है कि जैसे आपका हाथ सुन्न हो गया है। हाथ पैरों में कमजोरी और झुनझुनी जैसी महसूस हो रही है तो इन बीमारियों के लक्षण हो सकते हैं। कई बार सुबह सुबह उठते ही ऐसा महसूस होता है कि जैसे एक हाथ सुन्न हो गया है या सो गया है? हालांकि ऐसा थोड़ी बहुत देर के लिए होना सामान्य है जिसमें तंत्रिका दबाव की वजह से ये स्थिति बन सकती है। लेकिन कई बार इसकी वजह शरीर में पनप रहीं कुछ गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं भी हो सकती हैं। उठते ही हाथ पैरों में सुई जैसी सुई चुभने लगे, हाथ पैर सुन्न होने लगें तो ये तंत्रिका से जुड़ी समस्या हो सकती है। कई बार आप ऐसी स्थिति में सो जाते हैं जिससे तंत्रिकाओं पर दबाव पड़ता है। नींद में ब्लड फ्लो कम होने के कारण भी ऐसा हो सकता है। इसके अलावा ये कारण भी हो सकते हैं।

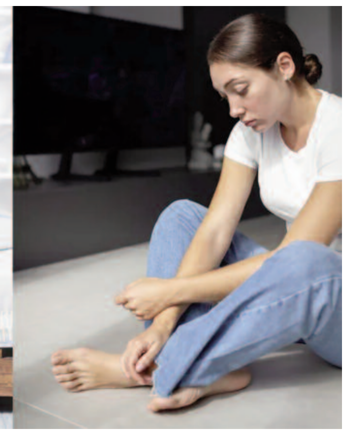

हाथ पैर सुन्न होने के कारण?

कार्पल टनल सिंड्रोम, डायबिटीज, रूमेटाइड गठिया, कलाई में ट्यूमर या सिस्ट, थायरॉयड ग्रंथि का कम सक्रिय होना , हार्मोन में बदलाव आना, मोनोपॉज या गर्भावस्था, कोई संक्रमण होना, विटामिन की कमी, शराब सेवन ज्यादा, कोई चोट लगना या दवाएं खाना कार्पल टनल सिंड्रोम तब होता है जब कलाई में एक तंत्रिका संकुचित या दबने लगती है।

हो सकता है इन बीमारियों का संकेत

इससे हाथ और उंगलियों में सुन्नता, झुनझुनी और दर्द हो सकता है। खासतौर से अंगूठे और उंगलियों में ऐसा महसूस होने लगता है। ऐसा उन लोगों को साथ होने की संभावना ज्यादा रहती है जो टाइपिंग या किसी खास उंगलियों से चलाए जाने वाले उपकरणों का उपयोग करते हैं। लंबे समय तक ऐसा करने वालों की तंत्रिकाओं पर दबाव पड़ने लगता है। अगर आपको ऐसा महसूस होता है तो सुबह उठने के बाद कुछ व्यायाम करने से राहत मिल सकती है। जैसे आप सुबह उठकर वार्म–अप स्ट्रेचिंग कर लें। इसमें अपने हाथ की कलाई को ऊपर, नीचे और एक ओर से दूसरी ओर घुमाएं। अपनी उंगलियों को दूर–दूर तक फैलाएं, उन्हें आराम दें, और फिर उन्हें दोबारा फैलाएं। अपने अंगूठे को धीरे से पीछे खींचकर, पकड़कर, और छोड़कर खींचें। पैरों के पंजों पर खड़े हों और स्ट्रेच करें। पैरों के पंजों को घुमाएं।

ज्यादा बादाम खाने से हो सकते हैं ये नुकसान

यूनिक समय, नई दिल्ली। बादाम शरीर के लिए हेल्दी नट्स में शामिल है। लोग आज भी सेहत बनाने के लिए काजू बादाम खाने की सलाह देते हैं। पहले काजू बादाम खाना या दूसरे मेवा खाना आम लोगों को बस की बात नहीं थी। तब न तो लोगों के पास इतना पैसा हुआ करता था और न ही इन चीजों की पैदावार ज्यादा होती थी। लेकिन अब मिडिल क्लास में सबसे ज्यादा ड्राई फ्रूट्स खाए जाने का चलन बढ़ गया है। लोग सर्दियों में खासतौर से काजू बादाम खाते हैं। पोषक तत्वों से भरपूर पावरहाउस बादाम शरीर को फिट रखने और कई बीमारियों को दूर रखने में मदद करता है, लेकिन बादाम का ज्यादा सेवन कई बार नुकसान भी कर सकता है। जानिए ज्यादा बादाम खाने से क्या नुकसान होता है और 1 दिन में कितने बादाम खाने चाहिए? अगर आपको किसी तरह की कोई एलर्जी है तो आपको किसी भी नट्स का सेवन सोच समझकर करना चाहिए। जिन्हें अखरोट से एलर्जी है उन्हें बादाम खाने से भी बचना चाहिए। एलर्जी के लक्षण गले में दर्द, मुंह में कैविटी में खुजली, सूजे हुए होंठ या जीभ और गाल में सूजन महसूस होना हो सकते हैं। जो लोग बहुत ज्यादा मात्रा में बादाम खाते हैं उनका वजन कम होने की बजाय बढ़ सकता है। क्योंकि बादाम में कैलोरी भी होती है। करीब 1 औंस बादाम में 160 कैलोरी होती है। इसलिए वजन घटाने के लिए सीमित मात्रा में ही बादाम का सेवन करें। बादाम में विटामिन ई की मात्रा काफी अधिक होती है। विटामिन ई खून को जमने से रोकता है। ऐसे में ज्यादा बादाम खाने से रक्त के जमने का काम रुक सकता है। इससे तेज खून बहने और खून न रुकने की समस्या हो सकती है। स्वस्थ रहने के लिए आपको 1 दिन में करीब 5–6 बादाम जरूर खाने चाहिए। जो लोग इंटेंस वर्कआउट करते हैं वो 8–10 बादाम भी खा सकते हैं। बादाम को हमेशा पानी में भिगोकर खाने से ज्यादा फायदा मिलता है। सुबह खाली पेट बादाम खाना फायदेमंद माना जाता है।

कब नहीं पीना चाहिए हल्दी वाला दूध?

यूनिक समय, नई दिल्ली। क्या आप जानते हैं कि हल्दी वाला दूध आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक भी हो सकता है? आइए हल्दी वाला दूध पीने के कुछ साइड इफेक्ट्स के बारे में भी जानकारी हासिल करते हैं। औषधीय गुणों से भरपूर हल्दी वाला दूध सेहत पर कितने सारे पॉजिटिव असर डालता है। सर्दियों में अक्सर हल्दी वाला दूध पीने की सलाह भी दी जाती है। इस नेचुरल ड्रिंक को पीकर आप अपनी इम्यूनिटी को भी बूस्ट कर सकते हैं। लेकिन शायद आप भी इस बात से बेखबर होंगे कि कुछ लोगों के लिए हल्दी वाला दूध पीना हानिकारक साबित हो सकता है। आइए जानते हैं कि किन लोगों को गोल्डन मिल्क को अपनी डाइट में शामिल करने से पहले डॉक्टर की सलाह ले लेनी चाहिए। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि हल्दी वाले दूध की तासीर गर्म होती है। यही वजह है कि प्रेग्नेंट महिलाओं को हल्दी वाला दूध नहीं पीना चाहिए वरना उन्हें पेट दर्द और जी मिचलाने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा जो लोग जरूरत से ज्यादा हल्दी वाला दूध पीते हैं, उनकी स्किन पर रैश और जलन की समस्या पैदा हो सकती है। क्या आप जानते हैं कि ज्यादा हल्दी वाला दूध पीने से आपकी गट हेल्थ भी बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है? अगर आप पेट से जुड़ी समस्याओं की चपेट में आने से खुद को बचाना चाहते हैं, तो आपको लिमिट में रहकर ही हल्दी वाला दूध पीना चाहिए। जरूरत से ज्यादा हल्दी का सेवन उल्टी या फिर दस्त जैसी समस्याओं को आमंत्रित कर सकता है।

अगर आपको लिवर से जुड़ी कोई बीमारी है, तो आपको हल्दी वाला दूध पीने से परहेज करना चाहिए वरना आपको लेने के देने भी पड़ सकते हैं। किसी भी चीज की अति सेहत पर भारी पड़ सकती है, फिर चाहे वो औषधीय गुणों से भरपूर हल्दी वाला दूध ही क्यों न हो। जरूरत से ज्यादा हल्दी वाला दूध पीने की वजह से आपके शरीर में आयरन जैसे पोषक तत्व की कमी पैदा हो सकती है।

Accredited by: INS INDIA NEWSPAPER SOCIETY
UNICOM ADVERTISING
Unicom Digital Digital Marketing Company
यूनिक समय हर खबर समय पर...
Info@unicomadvertising.com | Unicomadvertising.com 9837155888, 9837115157
MATHURA | NEW DELHI | AGRA | LUCKNOW | NOIDA | DEHRADUN

सर्दियों में अत्यधिक रूम हीटर चलाना दिमाग के लिए हो सकता है खतरनाक

यूनिक समय, मथुरा। सर्दियों के दौरान सभी के घरों में हीटर का प्रयोग होता है। कई लोग तो घंटों तक रूम हीटर चलाते हैं। लेकिन आप नहीं जानते हैं कि इसका ज्यादा इस्तेमाल आपकी सेहत पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है।

ठंड से राहत पाने के लिए ज्यादातर लोग अपने घर में हीटर चलाते हैं। सर्दियों में हीटर चलाना घरों में आम बात है, लेकिन अगर आप कई घंटों तक रूम हीटर प्रयोग कर रहे हैं, तो यह आपके सेहत के लिए काफी खतरनाक है। जी हां!

हीटर के ज्यादा इस्तेमाल से सेहत पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। एक अध्ययन से पता चला है कि रूम हीटर के लंबे प्रयोग से दिमाग पर तो असर पड़ता है, बल्कि यह शरीर के अन्य हिस्सों पर भी बुरा असर डालता है। आपको बता दें कि, रूम हीटर के चलने से कमरे में ऑक्सीजन की मात्रा घटने लगती है। सही मात्रा में ऑक्सीजन न मिलने से सिरदर्द, चक्कर आना और थकान जैसी समस्याएं हो सकती है। आइए आपको बताते हैं रूम हीटर ज्यादा चलाने से क्या होता है।

त्वचा और आंखों पर असर : अत्यधिक रुम हीटर चलाने से कमरे की नमी खत्म हो जाती है। जिस कारण से त्वचा रूखी और बेजान दिखने लगती है। इसके अलावा, आंखों में जलन और ड्राइनेस की समस्या बढ़ जाती है। यदि आप लंबे समय से हीटर के सामने बैठे रहते हैं तो यह त्वचा को डिहाइड्रेट कर सकता है, जिससे खुजली या रैशेज की समस्या उत्पन्न होती है।

सांस तंत्र पर पड़ता प्रभाव : सर्दियों में ज्यादा देर रूम हीटर चलाने से सांस लेने में समस्या आ सकती है। हीटर से गर्म हवा निकालने सांस लेने में कठिनाई पैदा करता है।

जो लोग अस्थमा या अन्य श्वसन संबंधी समस्याओं से परेशान हैं, तो उनके लिए हीटर का ज्यादा प्रयोग नुकसान करेगा। लंबे समय तक रूम हीटर के इस्तेमाल से नाक और गले में सूखापन हो सकता है, इससे संक्रमण का खतरा बढ़ जा सकता है।

कैसे बचाव करें?

जब रूम हीटर चल रहा हो, तो कमरे में थोड़ा वेंटिलेशन रखें।

हीटर के साथ ही ह्यूमिडिफायर का प्रयोग कर सकते हैं, जिससे रूम में नमी बनी रहे।

पानी पीते रहें और त्वचा को मॉइस्चराइज करते रहें।

रूम हीटर चलाते समय बीच-बीच में बंद कर दें।

रेसिपीः मखाना और दूध से तैयार करें खीर

हड्डियों का दर्द और कमजोरी हो जाएगी गायब

यूनिक समय, मथुरा। ब्रेकफास्ट में हेल्दी खाना है तो 1 कटोरी मखाना दूध के साथ खाएं। इससे हड्डियों को ताकत मिलेगी और शारीरिक कमजोरी दूर होगी। प्रोटीन और कैल्शियम से भरपूर मखाने का ये नाश्ता आपको दिनभर एनर्जी देगा। जानिए मखाने की ये खास रेसिपी।

सुबह अगर आप अच्छा और हेल्दी नाश्ता नहीं लेते हैं तो इससे लंबे समय में शरीर पर बुरा असर पड़ सकता है। दिनभर कमजोरी छाई रहेगी और शरीर में कई बीमारियां भी घर कर सकती है। इसलिए नाश्ते में हेल्दी चीजों को जरूर शामिल करें। सुबह नाश्ते में मखाना और दूध खाने से शरीर को भरपूर एनर्जी मिलती है। मखाना और दूध प्रोटीन, विटामिन और कैल्शियम से भरपूर हेल्दी ब्रेकफास्ट है। इस नाश्ते को आसानी से बनाया जा सकता है। आप दूध में डालकर मखाने को उबाल लें। आप इसे मखाना की खीर भी कह सकते हैं। ये खाने में बहुत टेस्टी लगती है। जानिए दूध के साथ मखाना कैसे खाएं और इस खीर को कैसे तैयार करें?

मखाना और दूध से तैयार करें खीर : नाश्ते में मखाना और दूध को मिलाकर आप खीर तैयार कर सकते हैं। इसके लिए 1 कटोरी मोटे साइज के मखाने लें। एक पैन में 1 छोटी स्पून घी डालकर मखाने को भून लें। जब मखाना भुन जाए और हल्का क्रिस्पी हो जाए तो काजू, बादाम, अखरोट जैसे मेवा डाल दें और फिर हल्का और भून लें।

अब सारी चीजों को निकाल लें और हल्का ठंडा होने दें। अब कड़ाही में दूध डालें और उबलने के लिए छोड़ दें। अब इस उबलते हुए दूध में मखाना और बाकी के ड्राईफ्रूट्स डाल दें। आप चाहें तो इन्हें हल्का दरदरा पीसकर भी दूध में मिला सकते हैं। अब इन्हें थोड़ी देर उबलने दें और फिर दूध में इलायची डाल दें। थोड़ी स्वादानुसार चीनी मिलाएं और तैयार है दूध मखाना की ये स्पेशल रेसिपी, जिसे आप मखाना खीर भी कह सकते हैं।

आप इसमें अपनी पसंद के ड्राईफ्रूटस डाल सकते हैं। दूध और मखाने के खाने का ये बेस्ट तरीका है। बच्चों को भी ये रेसिपी खूब पसंद आएगी। आप इसमें चिरौंजी भी डाल सकते हैं। नाश्ते में गर्मागरम मखाना खीर सर्व करें। ये एक सुपर हेल्दी नाश्ता है। आप चाहें तो चीनी की जगह शहद का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

साड़ी में पाना चाहती हैं रॉयल लुक तो स्टाइल करें ये लेटेस्ट डिजाइंस वाली इयररिंग्स

यूनिक समय, मथुरा। अगर आप फैशन के साथ स्टाइलिश लुक पाना चाहती हैं, तो आपको साड़ी के साथ लेटेस्ट डिजाइन वाली इयररिंग्स वियर करनी चाहिए। ऐसे में आज हम आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइन वाली इयररिंग्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

कई खास मौकों पर महिलाएं खूबसूरत लुक पाने के लिए साड़ी पहनती हैं। लेकिन साड़ी में भी आपका लुक तभी अच्छा लगता है, जब आप इसके साथ परफेक्ट इयररिंग्स वियर करती हैं। आपको मार्केट में कई ऐसी इयररिंग्स मिल जाएंगी, जो आपके लुक में चार चांद लगाने का काम करेंगी। लेकिन अगर आप फैशन के साथ स्टाइलिश लुक पाना चाहती हैं, तो आपको साड़ी के साथ लेटेस्ट डिजाइन वाली इयररिंग्स वियर करनी चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइन वाली इयररिंग्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें साड़ी पर वियर करने से आपको स्टाइलिश लुक मिलेगा।

क्रिस्टल ड्रॉप इयररिंग्सः अगर आप भी साड़ी में रॉयल लुक पाना चाहती हैं, तो आपको क्रिस्टल ड्रॉप इयररिंग्स पहनना चाहिए। यह इयररिंग्स क्रिस्टल में हैं और इनमें स्टोन वर्क किया हुआ है, जो आपको रॉयल लुक देने का काम करेगा। आप साड़ी के साथ इस तरह की इयररिंग्स वियर कर सकती हैं। वहीं मार्केट में आपको 200-400 रुपए के बीच इस तरह की इयररिंग्स आसानी से मिल जाएंगी।

कुंदन वर्क इयररिंग्स : अगर आप सिंपल साड़ी पहनने का सोच रही हैं और उसके साथ आपको हैवी ज्वेलरी पहननी है। तो आप कुंदन वर्क इयररिंग्स स्टाइल कर सकती हैं। यह इयररिंग्स लाइट वेट में होती हैं और इसमें आपका लुक निखरकर आएगा। आपको मार्केट में या फिर ऑनलाइन 300 रुपए तक इस तरह की इयररिंग्स मिल जाएंगी।

रोज स्टाइल इयररिंग्स : अगर आप फ्लोरल या फिर लाइट कलर की साड़ी पहन रही हैं, तो आप रोज स्टाइल इयररिंग्स वियर कर सकती हैं। यह आपको न्यू लुक देने का काम करेंगे। इन इयररिंग्स में आपका लुक कमाल का लगेगा।

मोर डिजाइन इयररिंग्स : अगर आप कुछ नया ट्राई करने की सोच रही हैं, तो आपको एक बार मोड डिजाइन वाले इयररिंग्स वियर करना चाहिए। यह न्यू लुक पाने के लिए बढ़िया विकल्प हो सकता है। बता दें कि मार्केट में आपको 300 रुपए तक में इस तरह की इयररिंग्स मिल जाएंगी।

अपनी ऐतिहासिक धरोहर, शानदार किलों और रंगीन बाजारों के लिए प्रसिद्ध है जोधपुर

यूनिक समय, मथुरा। उम्मेद भवन पैलेस, जोधपुर का एक और प्रमुख आकर्षण है। यह पैलेस 20वीं शताब्दी की शुरुआत में बना था और इसे महाराजा उम्मेद सिंह ने बनवाया था। यह पैलेस एक विशाल और भव्य संरचना है, जिसे सफेद बलुआ पत्थर से बनाया गया है। राजस्थान का जोधपुर, जिसे "ब्लू सिटी" के नाम से भी जाना जाता है, अपनी ऐतिहासिक धरोहर, शानदार किलों और रंगीन बाजारों के लिए प्रसिद्ध है। यह शहर राजस्थान के पश्चिमी हिस्से में स्थित है और देश-विदेश के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। जोधपुर का ऐतिहासिक महत्व और यहाँ की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर इसे एक प्रमुख पर्यटन स्थल बनाती है। आइए, जानते हैं जोधपुर के प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

मेहरानगढ़ किलाः जोधपुर का सबसे प्रमुख और प्रसिद्ध स्थल है मेहरानगढ़ किला। यह किला शहर के ऊपर एक पहाड़ी पर स्थित है और जोधपुर का सबसे बड़ा किला माना जाता है। इस किले का निर्माण 1460 में राव जोधा ने करवाया था। किले में प्रवेश करने के लिए एक विशाल गेट और ऊँची दीवारें हैं, जो इसे बेहद मजबूत और प्रभावशाली बनाती हैं। किले के अंदर आप राजपूत शासनकाल के अद्भुत आर्टिफैक्ट्स, संग्रहालय, महल और खूबसूरत आंगनों का अनुभव कर सकते हैं। किले से जोधपुर शहर का दृश्य अद्भुत होता है, और यह एक शानदार फोटोस्पॉट है।

उम्मेद भवन पैलेस : उम्मेद भवन पैलेस, जोधपुर का एक और प्रमुख आकर्षण है। यह पैलेस 20वीं शताब्दी की शुरुआत में बना था और इसे महाराजा उम्मेद सिंह ने बनवाया था। यह पैलेस एक विशाल और भव्य संरचना है, जिसे सफेद बलुआ पत्थर से बनाया गया है। इस पैलेस के अंदर एक संग्रहालय और होटल भी है, जो पर्यटकों को एक लग्ज़री अनुभव प्रदान करता है। इस पैलेस के विशाल बागीचों और सुंदर वास्तुकला के कारण यह जोधपुर के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है।

जसवंत ठाकुर महल : यह महल जोधपुर के बाहर स्थित है और यह जसवंत सिंह के सम्मान में बनवाया गया था। महल में एक सुंदर संग्रहालय है, जिसमें राजपूतों की ऐतिहासिक वस्तुएं और चित्र प्रदर्शित किए गए हैं। महल की वास्तुकला अत्यंत सुंदर है और यह पर्यटकों को एक शांतिपूर्ण वातावरण में समय बिताने का अवसर प्रदान करता है।

साधी-होली और मांडोर गार्डन : जोधपुर का प्रसिद्ध घड़ी टॉवर और मांडोर गार्डन पर्यटकों के लिए एक अन्य आकर्षण स्थल हैं। घड़ी टॉवर के पास स्थित बाजार में राजस्थान की पारंपरिक कला और हस्तशिल्प के सामान मिलते हैं, जो यहां के पर्यटकों को बहुत पसंद आते हैं। मांडोर गार्डन ऐतिहासिक स्मारकों और छतरियों से घिरा हुआ एक शांतिपूर्ण स्थान है, जो शाही परिवारों की याद में बनाया गया था। यहां के मंदिर, छतरियां और बागीचे दर्शनीय हैं।

काठियावाड़ी बाजार और ओल्ड जोधपुर : जोधपुर का काठियावाड़ी बाजार शहर के ऐतिहासिक क्षेत्र में स्थित है और यह जगह खरीदारी के शौकिनों के लिए आदर्श है। यहां पर आपको राजस्थान की पारंपरिक वस्तुएं, जैसे कि चूड़ियां, राजस्थानी आर्टिफैक्ट्स, कालीन, पंखे और ऊन के कपड़े मिल सकते हैं। ओल्ड जोधपुर की संकरी गलियाँ और रंगीन घर भी देखने लायक हैं। इन गलियों में घूमते हुए आप राजस्थान के पारंपरिक जीवनशैली और वास्तुकला का अनुभव कर सकते हैं।

जोधपुर के मंदिरः जोधपुर में कई ऐतिहासिक और धार्मिक मंदिर भी हैं, जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं:

महादेवी मंदिरः यह मंदिर महाकाली को समर्पित है और मेहरानगढ़ किले के पास स्थित है।

रा की सर की छतरीः यह छतरी रानी की समाधि के रूप में प्रसिद्ध है और इसकी वास्तुकला बेहद आकर्षक है।

ओसियां और सोमलता मंदिर : ओसियां, जो जोधपुर से लगभग 65 किलोमीटर दूर स्थित है, एक ऐतिहासिक स्थल है जहाँ प्राचीन मंदिर और कला के अद्भुत उदाहरण देखने को मिलते हैं। सोमलता मंदिर यहाँ का प्रमुख आकर्षण है, जो अपने अद्भुत वास्तुकला और कलाकृतियों के लिए प्रसिद्ध है।

थार डेजर्ट सफारीः जोधपुर के नजदीक स्थित थार रेगिस्तान में सफारी का अनुभव भी एक अद्वितीय अनुभव है। पर्यटक यहाँ ऊंट की सवारी और जीप सफारी का आनंद ले सकते हैं। रेगिस्तान के बीच खुले आकाश के नीचे रात बिताने का अनुभव बहुत रोमांचक होता है।

कैसे पहुंचे जोधपुर?

हवाई मार्गः जोधपुर का एक अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट है, जो प्रमुख शहरों से जुड़ा हुआ है। आप दिल्ली, मुंबई, जयपुर आदि से सीधी उड़ान से जोधपुर पहुंच सकते हैं।

रेल मार्गः जोधपुर रेलवे स्टेशन प्रमुख भारतीय शहरों से जुड़ा हुआ है और यहां से ट्रेन द्वारा आसानी से पहुंचा जा सकता है।

सड़क मार्गः जोधपुर राजस्थान के प्रमुख शहरों से सड़क मार्ग द्वारा भी जुड़ा हुआ है। यहां तक पहुंचने के लिए टैक्सी, बस और निजी वाहन उपलब्ध हैं।

सर्वोत्तम समयः जोधपुर घूमने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च के बीच है, जब मौसम ठंडा और सुखद रहता है। गर्मियों में यहाँ का तापमान बहुत बढ़ जाता है, इसलिए इस मौसम में यात्रा करने से बचना चाहिए।

सबसे अच्छे वेकेशन पैकेज

जोधपुर राजस्थान के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर से भरपूर एक अद्भुत पर्यटन स्थल है। यहाँ के किले, महल, मंदिर और रेगिस्तान पर्यटकों को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करते हैं। जोधपुर का दौरा करने से आपको राजस्थान की राजपूत संस्कृति, वास्तुकला और इतिहास को नजदीक से जानने का अवसर मिलता है।

सम्पादकीय

सख्त सजा से रोके जा सकते हैं धमकी भरे ईमेल

राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को फिर स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। ऐसी धमकियों की संख्या में अचानक इजाफा हुआ है। इससे पहले भी देश के अन्य राज्यों में ऐसी धमकियां मिल चुकी हैं। ये घटनाएं केवल कानून–व्यवस्था की चुनौती नहीं हैं, बल्कि समाज में भय–असुरक्षा की भावना पैदा करने का प्रयास भी हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि शिक्षा जैसे पवित्र संस्थान को निशाना बनाया जा रहा है, जहां देश का भविष्य आकार लेता है। ऐसी धमकियों से विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों में डर का माहौल बन जाता है।

पवन गौतम
संपादक

अब तक की सभी धमकियां झूठी निकली हैं, लेकिन शरारती तत्त्वों की यह हरकत प्रशासन और स्कूल प्रबंधन के लिए सुरक्षा जांच की प्रक्रिया को बाधित करती है। स्कूलों को खाली कराना, जांच करना, पढ़ाई का नुकसान और संसाधनों पर दबाव यह सब प्रभाव डालता है। इन धमकियों का असर सिर्फ स्कूलों तक ही नहीं, बल्कि पूरे समाज में फैलता है। अभिभावकों की चिंता बढ़ जाती है और बच्चे मानसिक तनाव का सामना करते हैं।

ऐसी धमकियां देना एक गंभीर सुरक्षा और सामाजिक चुनौती बन चुका है। इसे हल करना सख्त जरूरी हो गया है। यह देखा गया है कि अधिकतर धमकियां साइबर अपराध का हिस्सा होती हैं। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर अफवाहें तेजी से फैलती हैं, जिससे स्थिति और गंभीर हो जाती है। साइबर अपराधियों को अब तक सख्त सजा नहीं मिल पाई है। इससे ऐसी घटनाओं को बढ़ावा मिल रहा है। प्रशासन–सुरक्षा एजेंसियों को सतर्कता बढ़ानी होगी और आरोपियों को पकड़ना जरूरी है। इसके अलावा, साइबर सुरक्षा को मजबूत करना और ऑनलाइन अफवाहों की निगरानी करना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए।

सबकी जिम्मेदारी बनती है कि इन अफवाहों से सावधान रहे। बिना पुष्टि के सूचना साझा न करें। अभिभावकों–शिक्षकों को बच्चों में सुरक्षा की भावना विकसित करनी चाहिए। उन्हें आत्मरक्षा व आपातकालीन स्थितियों से निपटने की जानकारी देनी चाहिए। विद्यालयों को निशाना बनाना केवल कानून का उल्लंघन नहीं है, बल्कि समाज के भविष्य पर हमला भी है। स्कूलों में भय का वातावरण फैलाकर बच्चों के मनोबल को तोड़ा जा रहा है। प्रशासन, स्कूल प्रबंधन–समाज को एकजुट होकर इन चुनौतियों का समाधान करना होगा और शिक्षा के वातावरण को सुरक्षित और सकारात्मक बनाए रखना होगा। सख्त सुरक्षा उपाय, तकनीकी समाधान, कानूनी सख्ती और जन–जागरूकता से ही इन्हें रोका जा सकता है।

नजरिया

अपनों के निशाने पर आने के बाद क्या अब नीतियों में बदलाव लाएगी कांग्रेस?

उमेश चतुर्वेदी

अगर ईवीएम पर इतना ही संदेह है तो संदेह करने वाले दलों को चाहिए कि वे ईवीएम के जरिए होने वाले चुनावों का बहिष्कार करें। इसके बाद अगर चुनाव होगा तो निश्चित है कि इस चुनाव की पवित्रता सवालों के घेरे में आ जाएगी।

संविधान पर संसद में विशेष बहस पर अपने नेताओं प्रियंका वाड्रा और राहुल गांधी के भाषणों को लेकर जिस वक्त कांग्रेस गद्‌गद्‌ हो रही थी, उसी वक्त उस पर कश्मीर की वादियों से सियासी गर्मी का जबर्दस्त झोंका आया। जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस को सीधे–सीधे सलाह दे डाली कि ईवीएम का रोना छोड़ो और अपनी हार को स्वीकार कर लो। दिलचस्प यह है कि लोकसभा के अपने पहले भाषण में संविधान पर चचा के दौरान प्रियंका वाड्रा ने कहा था कि ईवीएम हटा दो, दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। प्रियंका के इस बयान के ठीक बाद सामने आए उमर अब्दुल्ला के ये शब्द महज बयान नहीं है, बल्कि इसके कई राजनीतिक अर्थ हैं।

उमर के इस बयान को ममता बनर्जी और रामगोपाल यादव की अभिव्यक्ति की अगली कड़ी के रूप में रखा जा सकता है। यहां एक बार फिर दोहरा देना उचित ही होगा कि इंडिया गठबंधन के अघोषित अगुआ को रूप में राहुल गांधी को नकार चुकी हैं और समाजवादी पार्टी के महासचिव रामगोपाल यादव कांग्रेस की अगुवाई को ही नकार चुके हैं। उमर अब्दुल्ला ने अपने बयान के जरिए एक तरह से साफ कर दिया है कि कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व में उनका भरोसा नहीं है। आज की राजनीति जिस बिंदु पर पहुंच चुकी है, उसमें अगुआ की हर गलत–सही बात का समर्थन करना ही अनुयायियों की पहली शर्त बन गई है।

आधार पर समर्थन और विरोध की सोच को हमारे समाज ने सिरे से नकार दिया है। यह नकार राजनीति में सबसे ज्यादा नजर आता है। अगुआ की बात को अनुयायी ने स्वीकार नहीं किया तो उसे सीधे–सीधे नाफरमानी या अनुशासनहीनता माना जाता है। दलीय व्यवस्था में ऐसे नकार की सजा निष्कासन और निलंबन तय है। चूंकि इंडिया गठबंधन औपचारिक कोई दल नहीं, बल्कि दलों का समूह है, लिहाजा यहां वैसी अनुशासनिक व्यवस्था नहीं है। इसके बावजूद मोटे तौर पर गठबंधनों के बीच एक समझ रही है कि गठबंधन और उसके अगुआ की सेहत पर असर ना पड़े, ऐसी बयानबाजी से दूर रहा जाए।

लेकिन ममता बनर्जी, रामगोपाल यादव और उमर अब्दुल्ला के बयान के संदेश साफ हैं। संदेश यह है कि कांग्रेस की अगुवाई में उन्हें नरेंद्र मोदी को चुनौती दे पाने की ताकत राहुल गांधी में नहीं दिखती। इन बयानों का एक संदेश यह भी है कि राहुल गांधी की अगुवाई में इन दलों का कम से कम राष्ट्रीय स्तर पर कोई भविष्य नहीं है। लेकिन उमर

अब्दुल्ला इससे आगे का भी संकेत दे रहे हैं। ईवीएम के बहाने वे कांग्रेस को यह भी संदेश दे रहे हैं कि 'मीठा–मीठा गप और कड़वा–कड़वा थू' की वैचारिक सोच वाली राजनीति लंबे समय तक नहीं चल सकती। यह कैसे हो सकता है कि जिस ईवीएम के सहारे आप अमेठी और वायनाड जीतने के बाद आप जश्न में डूब सकते हैं, जिसके सहारे 55 से 99 सीटों पर पहुंच जाते हैं तो इसे अपनी भारी जीत बताते हैं, जिस ईवीएम के ही सहारे जब आप कर्नाटक, हिमाचल और झारखंड और यहां तक कि कश्मीर जीत जाते हैं तो इसे नरेंद्र मोदी की हार बताने लगते हैं, लेकिन अगर चुनावी रणनीति में मात खाने के बाद सत्ता की दौड़ में पीछे रह जाते हैं तो ईवीएम को दोषी ठहराने लगते हैं। यह दोहरापन नहीं चलने वाला। इसे जनता भी समझने लगी है।

अगर ईवीएम पर इतना ही संदेह है तो संदेह करने वाले दलों को चाहिए कि वे ईवीएम के जरिए होने वाले चुनावों का बहिष्कार करें। इसके बाद अगर चुनाव होगा तो निश्चित है कि इस चुनाव की पवित्रता सवालों के घेरे में आ जाएगी। अगर ईवीएम पर संदेह करने वाले दल चुनाव प्रक्रिया से बाहर हो जाएं तो विपक्ष विहीन चुनाव को जनता भी स्वीकार नहीं कर पाएगी और उस चुनाव को सहज लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अंग नहीं माना जा सकेगा।

ऐसे में सरकार और चुनाव आयोग दबाव में आ सकते हैं। लेकिन ऐसा करने के लिए ईवीएम पर संदेह करने वाले दलों में साहस होना चाहिए। दुर्भाग्य से ऐसा साहस कोई दल दिखाता नजर नहीं आ रहा। इसकी वजह यह है कि कोई भी दल संसदीय राजनीति के उस रसूख को छोड़ने का साहस नहीं रखता, जो उसे सांसद या विधायक बनने के बाद हासिल होता है। इन दलों और उनके नेताओं को पता है कि संसद और विधानमंडल से बाहर रहने के बाद उनकी बातें गौर से सुनीं नहीं जातीं और उनके शब्दों को तवज्जो भी नहीं मिलता। इसलिए वे ईवीएम पर सवाल भी उठा रहे हैं और उसी ईवीएम के जरिए संसदीय कुर्सियों पर भी काबिज रहना चाहते हैं। यह भी एक तरह से चारित्रिक दोहरापन ही है और उमर अब्दुल्ला का यह बयान उस दोहरापन से खुद को अलग करने की कोशिश भी हो सकता है।

वैसे कांग्रेस के लोगों से ऑफ द रिकॉर्ड बात कीजिए तो वे भी मानते हैं कि चाहे ईवीएम का मुद्दा हो या किसानों का आंदोलन, उनके लिए सिर्फ कवरअप के मुद्दे हैं। कवरअप यानी बचाव का मुद्दा। पार्टी के अंदरूनी सूत्र भी मानते हैं कि जिन कृषि कानूनों के विरोध में कांग्रेस राजनीति कर रही है, उन्हें उसकी ही सरकार ने तैयार किया था। ईवीएम का चलन 2004 में पूरी तरह शुरू हुआ। जिसमें कांग्रेस की अगुवाई वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन यानी यूपीए को जीत मिली थी और मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने थे। तब तो कांग्रेस को यह जीत बहुत पसंद आई थी। इसके अगले यानी 2009 के चुनाव में भी यूपीए को दूसरी बार जीत मिली। तब भी ईवीएम पर कम से कम कांग्रेस की ओर से सवाल नहीं उठा। तब लालकृष्ण आडवाणी खेमे की ओर से ईवीएम पर सवाल उठा तो उसे सिरे से खारिज कर दिया गया। इसके बाद आडवाणी के लोगों ने उसे तूल नहीं दिया। लेकिन 2014 के बाद से लगातार ईवीएम पर कांग्रेस की ओर से लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। जबकि कांग्रेस भी जानती है कि ईवीएम में दोष नहीं है, उसकी नीतियों में ही कमी है, जिसकी वजह से वोटर उसे स्वीकार नहीं कर पा रहा है।

ऑफ द रिकॉर्ड अगर कांग्रेसी नेताओं से बात होती है तो वे मानते हैं कि किसान कानून और ईवीएम का विरोध दरअसल उसके लिए बचाव के मुद्दे हैं। कांग्रेस इन मुद्दों के जरिए अपनी नाकामियां छिपाती रहती है। उदाहरण के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति शेखर यादव के हालिया बयान को लेकर उनके खिलाफ कपिल सिब्बल की अगुवाई में महाभियोग चलाना कुछ–कुछ वैसा ही मामला होने जा रहा है, जैसा 1986 में शाहबानो को गुजारा भत्ता देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने के लिए संसद से नया कानून बना दिया गया था। बहुसंख्यक सोच जबकि इसके खिलाफ थी, कुछ इसी तरह शेखर यादव के बयान को लेकर महाभियोग चलाने के फैसले से बहुसंख्यक वोट बैंक सहमत नहीं है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों को लेकर बहुसंख्यक समाज में विरोध के सुर भले ही खुले तौर पर ना उठें, लेकिन चुनावी मैदान में इसे लेकर बहुसंख्यक वोट बैंक अपना गुस्सा निकाल सकता है। फिर भी कांग्रेस अपनी हार के लिए अपने रूख को लेकर सवाल नहीं उठाएगी, अपने भीतर झांकने की कोशिश नहीं करेगी,बल्कि वह ईवीएम को ही बहाना बनाएगी।

बहरहाल उमर अब्दुल्ला के बयान के बाद कांग्रेस को सबक सीखना होगा। उसे स्वीकार करना होगा कि उसकी बेतुकी बयानबाजी पर सिर्फ सत्ता पक्ष ही नहीं, उसके साथियों को भी ऐतराज है।

उसे यह भी स्वीकार करना होगा कि अगर उसने नीतियां नहीं बदलीं तो उसके नेतृत्व को लेकर विपक्षी गठबंधन में भरोसा कायम नहीं रह पाएगा। जिसका असर आने वाले दिनों में होने जा रहे दिल्ली और बिहार जैसे राज्यों के चुनाव नतीजों में दिख सकता है।

विचार–विंडो

गरीब वर्ग के लिए बेहद लाभकारी है भारत की 'दान' संस्कृति

प्रह्लाद सबनानी

जब अर्थ को अत्यधिक महत्व प्रदान किया जा रहा है, तब अधिक से अधिक धनराशि का दान करना ही शुभ कार्य माना जा रहा है। इस दृष्टि से वैश्विक स्तर पर नजर डालने पर ध्यान में आता है कि दुनिया में सबसे बड़े दानदाता के रूप में रतन टाटा का नाम सबसे ऊपर उभर कर सामने आता है।

भारत में हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों में दान दक्षिणा की प्रथा का अलग ही महत्व है। भारत में विभिन्न त्यौहारों एवं महापुरुषों के जन्म दिवस पर मठों मंदिरों, गुरुद्वारों एवं अन्य पूजा स्थलों पर समाज के सम्पन्न नागरिकों द्वारा दान करने की प्रथा अति प्राचीन एवं सामान्य प्रक्रिया है। गरीब वर्ग की मदद करना ईश्वर की सबसे बड़ी सेवा माना जाता है। समाज में आपस में मिल बांटकर खाने पीने की प्रथा भी भारत में ही पाई जाती है और यह प्रथा भारतीय समाज में बहुत आम है। परिवार में आई किसी भी खुशी की घटना को समाज में विभिन्न वर्गों के बीच आपस में बांटने की प्रथा भी भारत में ही पाई जाती है। इस उपलक्ष्य में कई बार तो बहुत बड़े स्तर पर सामाजिक एवं धार्मिक आयोजन भी किए जाते हैं। जैसे जन्म दिवस मनाना, परिवार में शादी के समारोह के पश्चात समाज में नाते रिश्तेदारों, दोस्तों एवं मिलने वालों को विशेष आयोजनों में आमंत्रित करना, आदि बहुत ही सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा हैं। एक अनुमान के अनुसार भारत के विभिन्न मठों, मंदिरों, गुरुद्वारों एवं अन्य पूजा स्थलों पर प्रतिदिन 10 करोड़ से अधिक नागरिकों को प्रसादी के रूप में भोजन वितरित किया जाता है।

साथ ही, पूरी दुनिया में भारत ही एक ऐसा देश है, जिसमें निवासरत नागरिक, चाहे वह कितना भी गरीब से गरीब क्यों न हो, अपनी कमाई में से कुछ राशि का दान तो जरूर करता है। भारतीय शास्त्रों में वर्णन मिलता है कि हिंदू सनातन संस्कृति के अनुरूप, महर्षि दधीच ने तो, देवताओं को असुरों पर विजय प्राप्त करने के उद्देश्य से, अपने शरीर को ही दान में दे दिया था, जिसे इतिहास में उच्चत्तम बलिदान की संज्ञा भी दी जाती है।

आज के युग में जब अर्थ को अत्यधिक महत्व प्रदान किया जा रहा है, तब अधिक से अधिक धनराशि का दान करना ही शुभ कार्य माना जा रहा है। इस दृष्टि से वैश्विक स्तर पर नजर डालने पर ध्यान में आता है कि दुनिया में सबसे बड़े दानदाता के रूप में आज भारत के टाटा उद्योग समूह के श्री रतन टाटा का नाम सबसे ऊपर उभर कर सामने आता है। इस सूची में टाटा समूह के संस्थापक श्री जमशेदजी टाटा का नाम भी बहुत सम्मान के साथ लिया जाता है, जिन्होंने अपने जीवन में शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में 8.29 लाख करोड़ रुपए की राशि का महादान किया था। इसी प्रकार, श्री रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा समूह ने वर्ष 2021 तक 8.59 लाख करोड़ रुपए की राशि का महादान किया था। आप अपनी कमाई का बहुत बड़ा हिस्सा गरीब वर्ग की सहायतार्थ दान में दे देते थे। श्री रतन टाटा केवल भारत स्थित संस्थानों को ही दान नहीं देते थे बल्कि वैश्विक स्तर पर समाज की भलाई के लिए कार्य कर रहे संस्थानों को भी दान की राशि उपलब्ध कराते थे। आपने वर्ष 2008 के महामंदी के दौरान अमेरिका स्थित कार्नेल विश्वविद्यालय को 5 करोड़ अमेरिकी डॉलर का दान प्रदान किया था। श्री रतन टाटा ने आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे छात्रों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जे. एन. टाटा एंडाउमेंट, सर रतन टाटा स्कॉलर्शिप एवं टाटा स्कॉलर्शिप की स्थापना कर दी थी। श्री रतन टाटा चूंकि अपनी कमाई का बहुत बड़ा भाग दान में दे देते थे, अतः उनका नाम कभी भी अमीरों की सूची में बहुत ऊपर उठकर नहीं आ पाया। इस सूची में आप सदैव नीचे ही बने रहे। श्री रतन टाटा जी के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने अपने जीवन काल में इतनी बड़ी राशि का दान किया था कि आज विश्व के 2766 अरबपतियों के पास इतनी सम्पत्ति भी नहीं है।

यूं तो टाटा समूह ने भारत राष्ट्र के निर्माण में बहुत ही अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, परंतु कोरोना महामारी के खंडकाल में श्री रतन टाटा के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। जिस समय पूरा विश्व कोरोना महामारी से जूझ रहा था, उस समय श्री रतन टाटा ने न केवल भारत बल्कि विश्व के कई अन्य देशों को भी आर्थिक सहायता के साथ साथ वेंटिलेटर, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) किट, मास्क और दस्ताने आदि सामग्री उपलब्ध कराई। श्री रतन टाटा के निर्देशन में टाटा समूह ने इस खंडकाल में 1000 से अधिक वेंटिलेटर और रेस्पिरेटर, 4 लाख पीपीई किट, 35 लाख मास्क और दास्ताने और 3.50 लाख परीक्षण किट चीन, दक्षिणी कोरिया आदि देशों से भी आयात के भारत में उपलब्ध कराए थे।

श्री रतन टाटा के पूर्वज पारसी समुदाय से थे और ईरान से आकर भारत में रच बस गए थे। श्री रतन टाटा ने न केवल भारतीय हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों को अपने जीवन में उतारा, बल्कि इन संस्कारों का अपने पूरे जीवनकाल में अक्षरशः अनुपालन भी किया। इन्हीं संस्कारों के चलते श्री रतन टाटा को आज पूरे विश्व में सबसे बड़े दानदाता के रूप में जाना जा रहा है।

टाटा समूह का वर्णन तो यहां केवल उदाहरण के रूप में किया जा रहा है। अन्यथा, भारत में ऐसे कई औद्योगिक घराने हैं जिन्होंने अपनी पूरी संपत्ति को ही ट्रस्ट के माध्यम से समाज के उत्थान एवं समाज की भलाई के लिए दान में दे दिया है। प्राचीन भारत में यह कार्य राजा महाराजाओं द्वारा किया जाता रहा हैं। हिंदू सनातन संस्कृति के विभिन्न शास्त्रों में यह वर्णन मिलता है कि ईश्वर ने जिसको सम्पन्न बनाया है, उसे समाज में गरीब वर्ग की भलाई के लिए कार्य करना चाहिए। यह सहायता गरीब वर्ग को सीधे ही उपलब्ध कराई जा सकती है अथवा ट्रस्ट की स्थापना कर भी गरीब वर्ग की मदद की जा सकती है। वर्तमान में तो निगमित सामाजिक दायित्व (सी एस आर – कोरपोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी) के सम्बंध में कानून की बना दिया गया है। जिन कम्पनियों की सम्पत्ति 500 करोड़ रुपए से अधिक है अथवा जिन कम्पनियों का वार्षिक व्यापार 1000 करोड़ रुपए से अधिक है अथवा जिन कम्पनियों का वार्षिक शुद्ध लाभ 5 करोड़ से अधिक है, उन्हें इस कानून के अंतर्गत अपने वार्षिक शुद्ध लाभ के दो प्रतिशत की राशि का उपयोग समाज की भलाई के लिए चलाई जा रही परियोजनाओं पर खर्च करना आवश्यक होता है। इन विभिन्न मदों पर खर्च की जाने वाली राशि का प्रतिवर्ष अंकेक्षण भी कराना होता है, ताकि यह जानकारी प्राप्त की जा सके राशि का सदुपयोग समाज की भलाई के लिए किया गया है एवं इस राशि का किसी भी प्रकार से दुरुपयोग नहीं हुआ है।

भारत में गरीब वर्ग/परिवारों को गरीबी रेखा से ऊपर लाने में समाज में सम्पन्न वर्ग द्वारा किए जाने वाले दान आदि की राशि से भी बहुत मदद मिलती है। निगमित सामाजिक दायित्व (सी एस आर) योजना के अंतर्गत चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का सीधा लाभ भी समाज के गरीब वर्ग को ही मिलता है। अतः विश्व में शायद भारत ही एक ऐसा देश है जहां सरकार एवं समाज मिलकर गरीब वर्ग की भलाई हेतु कार्य करते हुए दिखाई देते हैं। इसीलिए ही अब यह कहा जा रहा है कि हिंदू सनातन संस्कृति का विस्तार यदि वैश्विक स्तर पर होता है तो, इससे पूरे विश्व का ही कल्याण हो सकता है एवं बहुत सम्भव है कि वैश्विक स्तर पर गरीबी का नाश होकर चहुं ओर खुशहाली फैलती दिखाई दे।

सुविचार

जब आप फ़िक्र में होते हैं तो आप जलते है, जब आप बेफिक्र होते है तो दुनिया जलती है।

कल का पंचांग

तिथि	चतुर्थी	10:06-10:03 तक	पक्ष	कृष्ण
नक्षत्र	आश्लेषा	12:58-01:59 तक	माह	पौष
सूर्योदय		7:08 AM	चन्द्रोदय	09:28 PM
सूर्यास्त		5:24 PM	चंद्रास्त	11:00 AM
सूर्य राशि		धनु राशि	चंद्र	सिंह राशि
शुभ मुहूर्त अभिजीत		11:55 AM –12:34 PM	ब्रहम् मुहूर्त	05:25-06:13
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2081
राहुकाल		01:33 PM–02:50PM	वार	गुरुवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtubeÜcom/uniquesamay

क्या आपको भी रात में नहीं आती है नींद, यह मंत्र होगा वरदान साबित!

यूनिक समय, नई दिल्ली। अक्सर लोग रात में नींद न आने की समस्या से परेशान रहते हैं। कई बार लोग करवट बदल–बदल कर पूरी रात गुजार देते हैं। अनिद्रा की वजह से कई प्रकार की शारीरिक और मानसिक परेशानियां उत्पन्न होने लगती हैं। चिड़चिड़ापन, गुस्सा, भूलने की समस्या इत्यादि नींद पूरी न होने की वजह से उत्पन्न होते हैं। वैसे तो इस परेशानी को दूर करने के लिए डॉक्टर से संपर्क करना अच्छा है, मगर अनिद्रा को दूर करने के लिए दुर्गा सप्तशती में दिए गए मंत्र का भी जाप कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि दुर्गा सप्तशती में दिए गए किस मंत्र का जाप करने से नींद न आने की समस्या दूर हो सकती है।

गहरी नींद के लिए मंत्र

दुर्गा सप्तशती में मां दुर्गा की स्तुति के लिए सात सौ (700) श्लोक दिए गए हैं। जिनमें से एक मंत्र ऐसा है जिसका जाप करने से नींद न आने की समस्या दूर हो सकती है। दुर्गा सप्तशती में कुल 13 अध्याय हैं। पांचवें अध्याय में निद्रा देवी की स्तुति के लिए खास मंत्र है। जिसका भावार्थ यह है 'हे! मां दुर्गा, निद्रा रूप में आप ही हैं। अपको बारंबार नमस्कार है'।

अच्छी नींद के लिए मंत्र

या देवी सर्वभूतेषु निद्रा–रूपेण संस्थिता।

नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥

मंत्र का जाप करने से धीरे–धीरे दूर हो जाती है अनिद्रा

भगवती के उपासक (सिद्धि पुरुष) डॉ. बिमल नारायण ठाकुर के मुताबिक, अगर कोई नींद न आने की समस्या से परेशान है तो वह रात में सोते वक्त इस मंत्र का जाप करे। इस मंत्र का जाप तब तक करना चाहिए, जब तक की नींद न आ जाए। यानी इस स्थिति में व्यक्ति को यह भी पता नहीं चलेगा कि उसे नींद कब आ गई। हालांकि शुरुआत में ऐसा हो सकता है कि व्यक्ति तंद्रा (किसी दूसरी चीजों में खो जाना) की स्थिति में चला जाए, लेकिन बराबर इस मंत्र का जाप करने से अनिद्रा की समस्या दूर हो जाती है।

नए साल 2025 में लगाएं घर पर ये खास तरह के पौधे

चमक उठेगी किस्मत

यूनिक समय, नई दिल्ली। वास्तु शास्त्र के अनुसार, जो जातक साल 2025 में वास्तु नियमों पर चलता है तो उसका पूरा साल खुशियों से भरा रहेगा। साथ ही जीवन में सकारात्मक विचार भी आएगा। तो आज इस खबर में वास्तु के अनुसार, कुछ ऐसे पौधों के बारे में बताने वाले हैं, जिसे घर में लगाने से आर्थिक तंगी की समस्या दूर हो जाएगी। तो आइए उन पौधों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, तुलसी का पौधा बेहद ही शुभ और दिव्य माना जाता है। तुलसी के पौधे को साक्षात मां लक्ष्मी का स्वरूप माना गया है। यदि आप इसे अपने घर में लगाते हैं, तो आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। साथ ही धन कमाने के नए–नए रास्ते मिलेंगे। वास्तु शास्त्र के अनुसार, तुलसी का पौधा घर के उत्तर–पूर्व दिशा में लगाने चाहिए। साथ ही रोजाना पूजा भी करें। ऐसा करने से माता लक्ष्मी का आशीर्वाद मिलेगा। वास्तु शास्त्र के अनुसार, यदि आप नए साल के शुभ अवसर पर मनी प्लांट को घर में लगाते हैं, तो इससे धन की स्थिति मजबूत होगी। क्योंकि मनी प्लांट को धन प्राप्ति के लिए सबसे अच्छा माना गया है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, मनी प्लांट को घर में लगाने से घर में सकारात्मक और शुभता आता है। मनी प्लांट को घर के दक्षिण–पूर्व दिशा में लगाना चाहिए। क्योंकि घर के दक्षिण–पूर्व दिशा श्री गणेश भगवान की मानी जाती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, हरसिंगार का पौधा हिंदू धर्म में बहुत ही खास महत्व रखता है। मान्यता है कि घर में हरसिंगार का पौधा लगाने से मां लक्ष्मी की प्रसन्न होती है क्योंकि यह पौधा उन्हें बेहद प्रिय हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, जो जातक अपने घर में हरसिंगार का पौधा लगाते हैं, उनके घर से नकारात्मक ऊर्जाएं खत्म हो जाती है। साथ ही घर में सुख–समृद्धि आती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, हरसिंगार का पौधा घर की सुख–समृद्धि बनाए रखने में मदद करता है।

ऑफिस के लिए ये वास्तु टिप्स हैं जरूरी

हमेशा बनी रहेगी पॉजिटिव एनर्जी

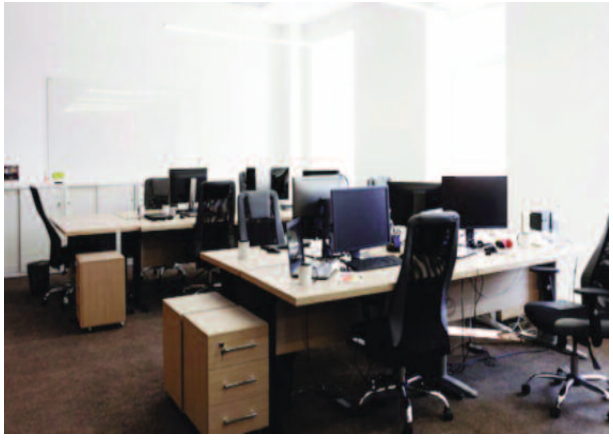

यूनिक समय, नई दिल्ली। क्या आपका मन भी ऑफिस में नहीं लगता? कार्यस्थल पर काम को लेकर उत्साह नहीं रहता? क्या आप पसंदीदा जॉब करने के बावजूद भी निराश रहते हैं? या आपके बॉस भी आपके कार्यों की सराहना नहीं करते?

दरअसल वास्तु शास्त्र में इनके लिए वास्तु दोष को जिम्मेदार ठहराया गया है। अगर वास्तु के नियम का पालन किया जाए तो वास्तु दोष उत्पन्न नहीं होता। यदि आप भी कड़ी मेहनत के बावजूद निराश रहते हैं तो कुछ वास्तु टिप्स आपके लिए मददगार हो सकते हैं।

ऑफिस के लिए सही दिशा क्या है?

वास्तु शास्त्र के अनुसार, ऑफिस के लिए अगर सही दिशा को चुनना हो तो वह– नॉर्थ, नॉर्थ–इस्ट या नॉर्थ–वेस्ट हो सकती है। दरअसल ये दिशाएं ऑफिस के लिए उपयुक्त मानी गई हैं। जो लोग दूसरों की सेवा के लिए ऑफिस बनाना चाहते हैं, उनके लिए पूरब सबसे उपयुक्त है।

वहीं आर्थिक लाभ के दृष्टिकोण से उत्तर (दिशा) सही मानी गई है। ऐसा इसलिए क्योंकि उत्तर (दिशा) के स्वामी कुबेर हैं जो धन के स्वामी माने गए हैं।

ऑफिस का प्रवेश

वास्तु शास्त्र के अनुसार, ऑफिस का प्रवेश द्वार पूरब या उत्तर की ओर हो तो अच्छा है। हालांकि, इस बात का भी ध्यान रखें कि प्रवेश द्वार पर कोई ऐसी चीज न हो जो लोगों के आने–जाने में दिक्कत पैदा करे।

रिसेप्शन– वास्तु शास्त्र के अनुसार, इसके लिए उचित दिशा पूरब या उत्तर है।

ऑफिस में बैठने की स्थित कैसी हो?

वास्तु शास्त्र के अनुसार, ऑफिस में बॉस का कमरा पश्चिम–दक्षिण दिशा में होना चाहिए। साथ ही बॉस को चाहिए कि वह कार्य करते समय उत्तर दिशा की ओर मुंह करके बैठे।

ऑफिस का रंग

वास्तु नियम के मुताबिक पॉजिटिव एनर्जी के लिए ऑफिस–ग्राउंड को चमकीले रंग से रंगना अच्छा है। जबकि इसकी दीवारों के लिए रेड, पिंक, व्हाइट, ग्रीन या ब्लू रंग का इस्तेमाल किया जा सकता है।

तिलक लगाने का धार्मिक महत्व

यूनिक समय, नई दिल्ली। पूजा–पाठ के दौरान अक्सर लोग माथे पर चंदन (टीका) लगाते हैं। जिसका शास्त्रों में खास महत्व बताया गया है। माथे पर तिलक लगाने के कई फायदे बताए गए हैं। हालांकि अलग–अलग संप्रदाय को मानने वाले अलग–अलग रंग के तिलक लगाते हैं। क्या आप जानते हैं कि सनातन धर्म में तिलक लगाने का क्या महत्व है? तिलक लगाने से क्या लाभ मिलता है और किस उंगली से तिलक लगाने का क्या महत्व है? साथ ही भगवान को किस उंगली से तिलक लगाना चाहिए? आगे इसके बारे में विस्तार से जानिए।

तिलक का महत्व

धार्मिक मान्यता है कि माथे पर तिलक लगाने से एकाग्रता बढ़ती है। खुद पर संयम बना रहता है और आत्मशक्ति में वृद्धि होती है। कहा जाता है कि तिलक के बिना देवता–पितर की पूजा, स्नान–दान, जप और यज्ञ से मिलने वाले शुभ फल प्राप्त नहीं होते। मतलब उपरोक्त सारे कार्य निष्फल हो जाते हैं। इसके बारे में शास्त्रों में कहा गया है "स्नाने दाने जपे होमो,देवता पितृकर्म च, तत्सर्वं निष्फलं यांति ललाटे तिलकं विना"।

किस संप्रदाय के लोग कैसा तिलक लगाते हैं?

सनातन धर्म में मुख्य रूप से तीन प्रकार के संप्रदाय हैं– शैव (जो शिव जी के उपासक हैं), शाक्त (शक्ति यानी काली, दुर्गा और मां पार्वती की उपासना करने वाले) और वैष्णव (भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी के उपासक)

शैव संप्रदाय में आस्था रखने वाले मस्तक पर त्रिपुण्ड (चंदन का एक प्रकार) लगाते हैं। जबकि शक्ति के उपासक माथे पर लाल सिंदूर का टीका लगाते हैं। हालांकि शाक्त संप्रदाय को मानने वाले कुछ लोग त्रिपुंड के संग–संग लाल टीका भी लगाते हैं। वहीं वैष्णव संप्रदाय में अपनी आस्था रखने वाले मस्तक पर ऊपर की ओर पुण्ड (चंदन का एक प्रकार) लगाते हैं जो कि गुरु के द्वारा बताए गए होते हैं। कृष्ण जी के उपासक श्याम (काला) तिलक लगाते हैं।

तिलक लगाने में उंगली का महत्व

अंगूठे से तिलक लगाने पर मोक्ष की प्राप्ति होती है। मध्यमा (बीच वाली उंगली) से चंदन लगाने पर धन की प्राप्ति होती है। अनामिका (रिंग फिंगर) से टीका लगाने पर जीवन में सुख–शांति बनी रहती है। तर्जनी (अंगूठे के बाद वाली उंगली) से चंदन लगाने पर शत्रु शांत रहते हैं। साथ ही सफलता की प्राप्ति होती है।

भगवान को किस उंगली से लगाएं तिलक?

सनातन धर्म शास्त्रों के मुताबिक भगवान को मध्यमा या अनामिका उंगली से तिलक लगाना चाहिए।

यूपी विधानसभा का घेराव करने जा रहे कांग्रेसी गिरफ्तार

यूनिक समय, लखनऊ। यूपी विधानसभा का घेराव करने के लिए लखनऊ आ रहे कांग्रेसियों को हाउस अरेस्ट करने के साथ ही उन्हें जिलों में ही रोक लिया गया। वहीं, लखनऊ पार्टी कार्यालय पर मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर ईको गार्डेन भेज दिया गया।

यूपी विधानसभा का घेराव करने के लिए लखनऊ कूच की तैयारी में लगे कांग्रेस नेताओं को बुधवार को प्रदेश के अलग-अलग जिलों में ही रोक लिया गया और वरिष्ठ नेताओं को नजर बंद कर दिया गया। वहीं, लखनऊ में पार्टी कार्यालय पर पहुंचे कांग्रेसियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और ईको गार्डेन में जाकर छोड़ दिया। वहीं, जिन नेताओं ने भी विधान भवन पहुंचने का प्रयास किया पुलिस ने उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया। घेराव करने जा रहे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। धक्कामुक्की के दौरान वो कुछ देर के लिए बेहोश हो गए।

कांग्रेस विधायक व यूपी विधानसभा में कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने विधान भवन में चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के पास प्रदर्शन किया और प्रदेश की कानून व्यवस्था व किसानों के मुद्दे उठाए। पुलिस ने उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने विधानसभा में कार्रवाई के दौरान भी सवाल उठाए और कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं व नेताओं को जिलों से प्रदर्शन के लिए लखनऊनहीं आने दिया जा रहा है। इस पर संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि किसी भी अव्यवस्था को रोकने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन काम कर रहा है। इसके पहले बुधवार सुबह जैसे ही कांग्रेस नेताओं ने लखनऊ पहुंचना शुरू हुआ। उन्हें रोकने के लिए जिलों में कांग्रेस नेताओं को हाउस अरेस्ट किया जा रहा है और जगह-जगह बैरीकेडिंग कर दी गई।

लखनऊ में कांग्रेस कार्यालय के बाहर आरएएफ (रैपिड एक्शन फोर्स) के जवानों की तैनाती कर दी गई।

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय हुए बेहोश

कांग्रेस कार्यालय के बाहर मौजूद नेताओं की गिरफ्तारी की तैयारी शुरू कर दी गई।

इसके पहले कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि हमारे कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए नुकीली बैरीकेडिंग की गई है। ये 'भाले' हमारे कार्यकर्ताओं को गंभीर चोट पहुंचाएंगे। ऐसा पहली बार हो रहा है। ये सरकार हमारे कार्यकर्ताओं को मारना चाहती है। गाजीपुर बॉर्डर पर हमारे कार्यकर्ताओं को रोका जा रहा है लेकिन हम इस सबके बाद भी विधानसभा में प्रवेश करेंगे। इस बीच पुलिस ने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, निवर्तमान प्रदेश महासचिव संगठन अनिल यादव, दिनेश सिंह सहित दो दर्जन से ज्यादा वरिष्ठ नेताओं को नोटिस भेजा है। इन नेताओं के घर पर शाम से ही पुलिस का पहरा लगा दिया है।

ओवरटेक करते समय अनियंत्रित होकर पलटी बस

यूनिक समय, लखनऊ। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर हुए सड़क हादसे में एक बस अनियंत्रित होकर पलट गई। बस सवारियों को लेकर हिमाचल प्रदेश से गोरखपुर जा रही थी।

हिमाचल प्रदेश से सवारी लेकर गोरखपुर जा रही प्राइवेट बस बुधवार को पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर कार को ओवर टेक करने के चक्कर में अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में बस सवार महिला सहित चार यात्री घायल हो गए। अन्य यात्रियों को मामूली चोटे होने पर मौके पर ही प्राथमिक उपचार करवाकर दूसरे वाहन से गंतव्य की ओर रवाना किया। घायल चारों यात्रियों में दो की हालत नाजुक देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। घायल गोरखपुर जिले के अलग-अलग स्थानों के रहने वाले हैं।

बाजार शुकुल थानाक्षेत्र और सुल्तानपुर जिले के हलियापुर थानाक्षेत्र के बॉर्डर पर स्थित पूर्वांचल एक्सप्रेस वे की किलोमीटर संख्या 76.9 पर बुधवार को हिमाचल प्रदेश से लखनऊ होते हुए गोरखपुर निजी बस कार को ओवरटेक करने के चक्कर मे नियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में बस पर सवार यात्री घायल हो गए। चीख-पुकार पर एकत्र स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी यूपीडा पेट्रोलिंग टीम संग पुलिस व एंबुलेस कर्मियों को दिया। इसके बाद बस से यात्रियों को बाहर निकालना शुरू किया।

कई यात्री घायल, हिमाचल से गोरखपुर जा रही थी बस

हादसे में गोरखपुर जिले के सिकरीगंज थाना क्षेत्र के बनकटी गांव निवासी हरिलाल (45), बांसगांव थानाक्षेत्र के हरिहरपुर टोला गांव निवासी निशा (28), रामकुमार (49) और हरिपुर थानाक्षेत्र के तामा गांव निवासी राजकुमार (25) को अधिक जख्मी होने पर सीएचसी पहुंचाया गया, जबकि सवार अन्य 14 यात्रियों को मामूली चोटें होने से मौके पर ही एंबुलेंस कर्मियों ने प्राथमिक उपचार किया।

उपचार के बाद स्वास्थ्य में सुधार होने पर दूसरे वाहन से गंतव्य को रवाना किया। सीएचसी बाजारशुकुल से राजकुमार यादव व हरिलाल की हालात नाजुक देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां दोनों का उपचार चल रहा है। हादसे के बाद यूपीडा की टीम ने एक्सप्रेस वे पर पलटी बस को हटाने के बाद आवागमन बहाल करवाया। एसओ दयाशंकर मिश्र ने मौके पर पहुंच मामले की जांच की। जांच के बाद कार्रवाई होगी।

अभिनेता आशीष विद्यार्थी ने पत्नी संग किया ताजमहल का दीदार

यूनिक समय, आगरा। मोहब्बत की निशानी ताजमहल का दीदार करने मशहूर फिल्म अभिनेता आशीष विद्यार्थी पत्नी रूपाली बरुआ के साथ आगरा पहुंचे। उन्होंने करीब दो घंटे का समय ताजमहल परिसर में बिताया। इस दौरान खूब फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कराई। अभिनेता आशीष विद्यार्थी ने अपनी पत्नी रूपाली बरुआ के साथ खूब सेल्फी लीं। ताजमहल दीदार के दौरान उन्होंने ताजमहल का इतिहास और उसकी पच्चीकारी के बारे में टूरिस्ट गाइड से बातचीत की।

इस दौरान उन्होंने ताजमहल की जमकर प्रशंसा की। आशीष विद्यार्थी ने कहा कि ये बेहद खूबसूरत है। यहां आकर मैं खुद को वाह ताज! कहने से रोक नहीं पाया हूं। हम दोनों ने जब रॉयल गेट से ताजमहल की एक झलक देखी तो उसे निहारते रहे। रूपाली बरुआ ने कहा कि ताजमहल वाकई अद्भुत और बेमिसाल है। बेहद खूबसूरत और लाजवाब है। यहां आकर मैं खुद को वाह ताज कहने से रोक नहीं पा रही हूं।

प्रशंसकों की भीड़ ने फिल्म अभिनेता को घेरा: फिलवक्त टूरिस्ट सीजन चल रहा है। इसलिए हर दिन बड़ी संख्या में पर्यटक ताजमहल देखने पहुंच रहे हैं। सबसे अधिक क्राउड शनिवार और रविवार को रहता है। अन्य दिनों की अपेक्षा मंगलवार को क्राउड कम था, लेकिन पर्यटकों ने अभिनेता आशीष विद्यार्थी को पहचान लिया। इसके बाद प्रशंसकों ने उन्हे घेर लिया और सेल्फी ली। अभिनेता आशीष विद्यार्थी ने भी फैंस को निराश नहीं किया। उनके साथ सेल्फी शॉट दिए और फोटो भी खिंचवाए।

अभिनेता आशीष विद्यार्थी करीब दो घंटे तक ताजमहल परिसर में रहे। इस दौरान इनहोंने टूरिस्ट गाइड से ताजमहल के इतिहास, मुगल बादशाह शहंशाह शाहजहां और मुमताज की प्रेम कहानी के बारे में तमाम बातें जानीं। साथ ही ताजमहल की पच्चीकारी की जानकारी ली। अभिनेता आशीष विद्यार्थी ने बीते साल ही कोलकाता में रूपाली बरुआ से शादी की है। रूपाली बिजनेस वुमेन हैं। उनका कपड़े का कारोबार है। अभिनेता आशीष विद्यार्थी और रूपाली बरुआ ने 25 मई 2023 को अपनी शादी का एनांउस किया था। मीडिया से बातचीत में अभिनेता आशीष विद्यार्थी और रूपाली बरुआ ने ताजमहल के दीदार को लेकर कहा कि ये शानदार और यादगार अनुभव है। ताजमहल बेहद खूबसूरत और अद्भुत है। जो भी ताजमहल देखने आता है तो उसकी खूबसूरती में खो जाता है।

संभल-बनारस के बाद अलीगढ़ में भी मिला प्राचीन मंदिर

मुस्लिम बाहुल्य इलाके में 49 साल से था बंद

यूनिक समय, अलीगढ़। जिले के सराय रहमान थाना इलाके में बुधवार को करीब 49 वर्ष पुराने प्राचीन शिव मंदिर को कब्जा मुक्त कराया गया है। यह मंदिर लंबे समय से बंद था। स्थानीय संगठनों, बजरंग दल, करणी सेना के प्रयासों के बाद मंदिर से मलबा हटाया गया, जिसमें शिवलिंग और अन्य धार्मिक अवशेष मिले हैं।

मंदिर की दीवार पर लगे शिलालेख के अनुसार, इसका निर्माण 9 मई 1975 को हुआ था, यह मंदिर करीब 49 साल पुराना है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि मंदिर लंबे समय से उपेक्षित था। मंदिर में सीमेंट, ईंट और अन्य कबाड़ भरे गए थे, जिससे शिवलिंग दब गया था। लोगों ने मंदिर को कब्जा मुक्त कराने और उसकी मरम्मत कराने के लिए करणी सेना और प्रशासन के प्रयासों की सराहना की।

मामले की जानकारी मिलने पर बजरंग दल के सदस्य मयंक कुमार, अंकुर शिवाजी, विशाल देशभक्त, गोविंद वार्ष्णेय और देव सोनी ने मौके पर पहुंचकर मंदिर की साफ-सफाई शुरू की। मलबे के

नीचे दबे शिवलिंग को बाहर निकाला गया। इसके अलावा, मंदिर परिसर में घंटा टूटा हुआ मिला और मूर्तियां गायब थीं। अखिल भारतीय करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेंद्र सिंह चौहान ने मंदिर की स्थिति का जायजा लिया और प्रशासनिक अधिकारियों को सूचित किया। उन्होंने बताया कि मंदिर में शिवलिंग मिट्टी और मलबे के नीचे दबा हुआ था। करणी सेना ने एडीएम नगर अमित कुमार भट्ट से मुलाकात कर मंदिर को पूरी तरह कब्जा मुक्त कराने और वहां पुलिस बल तैनात करने की मांग की। करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष ने चेतावनी देते हुए कहा कि अलीगढ़ को 'संभल' बनने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अलीगढ़ में ऐसे कई मंदिर हैं, जिन पर अवैध कब्जा किया गया है। करणी सेना इन सभी मंदिरों को चिन्हित कर रही है और कानूनी तरीके से उन्हें मुक्त कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष ने प्रशासन से मंदिर को पूरी तरह खाली कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अपर जिलाधिकारी नगर अमित कुमार भट्ट ने करणी सेना को आश्वासन दिया है कि मंदिर को जल्द से जल्द कब्जा मुक्त कराया जाएगा और इसकी सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

एसपी सिटी मृगांक शेखर पाठक ने कहा कि सूचना संज्ञान में आई थी एक प्राचीन मंदिर सराय रहमान थाना क्षेत्र में बन्ना देवी में मिला है। इसमें पुलिस और प्रशासन की टीम सक्रिय होकर इसकी जांच कर रही है। जो शिकायत दर्ज कराई गई है कि इसको अवैध रूप से कब्जा किया गया है। इस संबंध में भी जांच कराई जाएगी। जिनके द्वारा इस मंदिर पर अवैध कब्जा किया गया है, उनके विरूद्ध विधिक कार्रवाई भी की जाएगी।

आयकर विभाग ने कांग्रेस नेता राजीव जैन से लिंक जुड़ने पर संजय पर कसा शिकंजा

यूनिक समय, मेरठ। आयकर विभाग की दो टीमों ने देहरादून में कांग्रेस नेता के यहां पर छापा मारा तो तीन टीम मेरठ पहुंच गईं। संजय जैन के आवास कमलानगर, कमल ठाकुर के आवास न्यू शंभूनगर और उनके कार्यालय पर छापा मारा।

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के करीबी कांग्रेस नेता राजीव जैन का लिंक मेरठ में उनके रिश्तेदार संजय जैन से जुड़ा है। इसके चलते आयकर विभाग की टीम ने मेरठ में संजय जैन की कुंडली खंगाली। बताया गया कि राजीव जैन, संजय जैन और कमल ठाकुर ने पार्टनरशिप में मेरठ में करोड़ों की संपत्ति खरीदी है। फोन पर लगातार बातचीत की और कुंडली खंगालने के बाद आयकर विभाग अधिकारियों ने मेरठ में छापा मारा है।

कांग्रेस नेता की पार्टनरशिप में दिल्ली रोड पर करोड़ों रुपये कीमत की जमीन खरीदना बताया गया है। करीब एक माह पहले आयकर विभाग की टीम देहरादून के निशाने पर कांग्रेस नेता आए थे।

कमल ठाकुर भी आए लपेटे में

टैक्स चोरी होने की आशंका पर आयकर विभाग ने पहले कांग्रेस नेता राजीव जैन और फिर उनके जुड़े लोगों की कुंडली खंगालनी शुरू कर दी। राजीव जैन की बेटी की शादी संजय जैन के बेटे से हुई है। दोनों रिश्तेदारों के मोबाइल नंबरों की सीडीआर निकाल ली। लंबी बातचीत होना बताया गया है। टैक्स चोरी में करोड़ों रुपये की हेराफेरी होने का अंदेशा जताकर आयकर विभाग ने पांच अलग-अलग टीम गठित कीं।

आयकर विभाग की टीम ने कमल ठाकुर और संजय जैन के यहां पर छापा मारा। इसकी जानकारी लगने पर व्यापारी और भाजपा नेता मौके पर पहुंचे। व्यापारियों ने हंगामा किया तो आयकर विभाग के अधिकारियों ने पुलिस को फोन कर जानकारी दी। टीपीनगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने व्यापारियों से बातचीत की और फिर वापस लौट गई।

सार संक्षेप

चुनाव को लेकर बीजेपी कोर ग्रुप की बैठक शुरू

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली चुनाव को लेकर बीजेपी कोर ग्रुप की बैठक संसद भवन गृह मंत्री अमित शाह के दफ्तर में शुरू हो गई है। बताया जा रहा है कि इस बैठक में चुनाव प्रभारी विजयंत पांडा, दिल्ली बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष विरेन्द्र सचदेवा समेत दिल्ली के कुछ सासंद मौजूद हैं।

आसाराम बापू जेल से बाहर आए

यूनिक समय, नई दिल्ली। स्वयंभू संत आसाराम बापू 17 दिन की पैरोल पर रिहा होने के बाद महाराष्ट्र के लिए रवाना हो गए है। बापू आसाराम को यौन उत्पीड़न मामले में धारा 376 और 377 के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

बीजेपी मुख्यालय पर प्रदर्शन करेगी आम आदमी पार्टी

यूनिक समय, नई दिल्ली। बीजेपी मुख्यालय पर आम आदमी पार्टी बड़ा प्रदर्शन करेगी। अमित शाह द्वारा अंबेडकर पर दिए गए बयान को लेकर प्रदर्शन करेगी। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल भी प्रदर्शन में शामिल होंगे। 4 बजे आप का बीजेपी के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन होगा। आतिशी, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और राघव चड्ढा भी प्रदर्शन में शामिल होंगे।

छगन भुजबल नासिक के लिए रवाना

यूनिक समय, नई दिल्ली। मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिलने से नाराज एनसीपी के दिग्गज नेता छगन भुजबल नागपुर से नासिक के लिए निकल गए हैं। जहां वे शक्ति प्रदर्शन करेंगे। छगन भुजबल कार्यकर्ताओं के बीच जाकर कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं।

छत्रपति संभाजीनगर में स्कूल बस में लगी भीषण आग

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई के छत्रपति संभाजीनगर में स्कूल बस में भीषण आग लग गई थी। हादसा आज सुबह करीब 8 बजे का है। बस में मौजूद बच्चों को वक्त रहते सुरक्षित निकाला गया। स्कूली छात्रों को ले जा रही प्राइवेट बस में अचानक आग लग गई थी। सिल्लोड तालुका के अमथाना की घटना है। बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, लेकिन बच्चों के बैग और बस का सामान जलकर खाक हो गया।

जिया उर रहमान बर्क को गिरफ्तारी का डर

यूनिक समय, नई दिल्ली। सपा सांसद जिया उर रहमान बर्क को गिरफ्तारी का डर सता रहा है। एफआईआर खारिज करने को लेकर और गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग को लेकर उन्होंने प्रयागराज हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। सपा सांसद जिया उर रहमान बर्क संभल में 24 नवंबर को हुई हिंसा के आरोपी हैं।

महाजन फायरिंग रेंज में तोपाभ्यास के दौरान बम विस्फोट

हादसे में दो सैनिकों की मौत, एक घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। बीकानेर के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज के नॉर्थ कैंप में तोपाभ्यास के दौरान बम फटने से बड़ा हादसा हो गया। इस दर्दनाक घटना में दो सैनिकों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक अन्य सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गया।

बीकानेर की महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में युद्धाभ्यास के दौरान एक बार फिर बड़ा हादसा हो गया है। यहां बम फटने से दो सैनिक शहीद हो गए, जबकि एक गंभीर रूप से घायल है। घायल सैनिक को हेलिकॉप्टर से चंडीगढ़ के हॉस्पिटल भेजा गया है।

लूणकरणसर सीओ नरेंद्र पूनिया ने बताया कि तोप में गोला, लोड करते वक्त फट गया। इससे एक हवलदार और एक कांस्टेबल की मौत हो गई। मृतक सैनिकों में से एक दौसा (राजस्थान) और दूसरा उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। एक कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे हेलिकॉप्टर से चंडीगढ़ भेजा गया है।

गौरतलब है कि बीकानेर ही महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में युद्धाभ्यास के दौरान यह दूसरा हादसा हुआ है। तीन दिन पहले यहां एक जवान की उस वक्त मौत हो गई। जब वह तोप को टोइंग व्हीकल से अटैच कर रहा था। तोप फिसल गई और बीच में दबने से उसकी मौत हो गई।

रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि बुधवार को प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान टैंक में गोला–बारूद लोड करते समय बीकानेर के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में दो सैनिकों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। उन्होंने बताया कि जब सैनिक गोला–बारूद लोड कर रहे थे, तभी चार्जर फट गया। इस घटना में सेना के दो जवानों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। विस्फोट की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। लूणकरणसर (बीकानेर) के सर्किल ऑफिसर नरेंद्र कुमार पूनिया ने बताया कि टैंक के साथ अभ्यास कर रहे तीन सैनिक थे। विस्फोट में आशुतोष मिश्रा और जितेंद्र की मौत हो गई। घायल सैनिक को हेलीकॉप्टर से चंडीगढ़ ले जाया गया है।

बाबा साहेब का अपमान देश नहीं सहेगा

माफी मांगें गृह मंत्री अमित शाह : राहुल गांधी

यूनिक समय, नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के संदर्भ में की गई टिप्पणी को लेकर बुधवार को कहा कि देश संविधान निर्माता का अपमान सहन नहीं करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि गृह मत्री को माफी मांगनी चाहिए। राहुल गांधी ने संसद परिसर में विपक्ष के विरोध प्रदर्शन की तस्वीर साझा करते हुए अपने व्हाइट्सएप चैनल पर पोस्ट किया, ''बाबासाहेब संविधान निर्माता हैं, देश को दिशा देने वाले महापुरुष हैं। उनका अपमान, उनके निर्मित संविधान का अपमान देश नहीं सहेगा। गृह मंत्री माफी मांगें।''

'कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''अंबेडकर जी का नाम लेने से अधिकार मिलते हैं। आंबेडकर जी का नाम लेना मानवीय गरिमा का प्रतीक है। अंबेडकर जी का नाम करोड़ों दलितों–वंचितों के आत्मसम्मान का प्रतीक है।'' कांग्रेस और विपक्षी दलों का आरोप है कि शाह ने राज्यसभा में 'भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' विषय पर दो दिन तक चली चर्चा का जवाब देते हुए मंगलवार को अपने संबोधन के दौरान बाबासाहेब का अपमान किया। मुख्य विपक्षी दल ने शाह के संबोधन का एक वीडियो अंश जारी किया जिसमें गृह मंत्री विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए यह कहते सुने जा सकते हैं , ''अभी एक फैशन हो गया है– आंबेडकर, आंबेडकर.इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।'' संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने अमित शाह की टिप्पणी को लेकर संसद की कार्यवाही बाधित करने के लिए कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि विपक्ष गृह मंत्री की टिप्पणियों को तोड़–मरोड़कर पेश कर रहा है।

उमर खालिद को मिली सात दिन की अंतरिम जमानत

कड़कड़डूमा कोर्ट ने दी राहत

यूनिक समय, नई दिल्ली। जेएनयू के पूर्व छात्र नेता उमर खालिद को कोर्ट से राहत मिली है। दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने खालिद को सात दिन की अंतरिम जमानत दे दी है।

राजधानी दिल्ली में हुए दंगो में साजिश के आरोप में जेल बंद आरोपी उमर खालिद को कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने उमर खालिद को सात दिन की अंतरिम जमानत दे दी है। जानकारी के मुताबिक, उमर खालिद ने अपने मौसेरे भाई और बहन की शादी में शामिल होने के लिए 10 दिनों की अंतरिम जमानत मांगी थी। हालांकि, कड़कड़डूमा कोर्ट ने उमर खालिद को 28 दिसंबर से 3 जनवरी तक 7 दिनों के लिए अंतरिम जेएनयू के पूर्व छात्रनेता उमर खालिद को दिल्ली पुलिस ने दिल्ली दंगों में साजिश के सिलसिले का आरोपी बनाया है। उमर खालिद को अवैध गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत गिरफ्तार किया गया था। दिल्ली पुलिस ने उमर खालिद के खिलाफ हत्या, हत्या की कोशिश, दंगा, भीड़ जमा करना, राजद्रोह, आपराधिक साजिश समेत अन्य कई धाराओं में पूरक आरोप पत्र भी दाखिल किया है।

पाकिस्तान के कटास राज मंदिरों के दर्शन करेंगे भारतीय

यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान उच्चायुक्त नई दिल्ली ने पंजाब के चकवाल जिले में पवित्र श्री कटास राज मंदिरों की यात्रा के लिए भारतीय तीर्थयात्रियों को 84 वीजा जारी किए हैं।

कटास राज मंदिरों को किला कटास के नाम से भी जाना जाता है। भारतीय हिंदू तीर्थयात्री 19 से 25 दिसंबर तक मंदिरों के दर्शन करेंगे। पिछले साल श्री कटास राज मंदिरों के दर्शन के लिए भारतीय हिंदू तीर्थयात्रियों को 112 वीजा जारी किए थे। कटास राज को पाकिस्तान में हिंदू समुदाय के लिए सबसे पवित्र स्थानों में से एक माना जाता है।

वायु सेना की कर्तव्य पथ पर परेड रिहर्सल

यूनिक समय, नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भीषण ठंड पड़ रही है और तापमान 5 डिग्री तक चल रहा है। इस कड़ाके की ठंड में भी गणतंत्र दिवस के लिए वायु सेना की कर्तव्य पथ पर परेड रिहर्सल चल रही है।

जेपीसी में प्रियंका गांधी के नाम का प्रस्ताव देगी कांग्रेस

इनके नामों की भी चर्चा

यूनिक समय, नई दिल्ली। जेपीसी में 31 सांसद शामिल हो सकते हैं, जो विधेयक की समीक्षा करेंगे। 31 सदस्यों में से 21 सदस्य लोकसभा से होंगे। गठन के बाद 90 दिनों के भीतर समिति को अपनी रिपोर्ट सौंपनी होगी।

एक देश एक चुनाव विधेयक पर विस्तृत चर्चा के लिए जेपीसी का गठन किया जा रहा है। इस जेपीसी में कांग्रेस, प्रियंका गांधी के नाम का प्रस्ताव दे सकती है। प्रियंका गांधी के अलावा इस समिति में मनीष तिवारी, सुखदेव भगत रणदीप सुरजेवाला के नाम की भी चर्चा है। गौरतलब है कि केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने मंगलवार को लोकसभा में एक देश एक चुनाव विधेयक पेश किया था।

सहमति के बाद इस विधेयक को विस्तृत चर्चा के लिए संसद की संयुक्त समिति के पास भेजा गया है। अब जेपीसी गठन की तैयारी शुरू हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जेपीसी में 31 सांसद शामिल हो सकते हैं, जो विधेयक की समीक्षा करेंगे। 31 सदस्यों में से 21 सदस्य लोकसभा से और 10 सांसद राज्यसभा से होंगे। गठन के बाद 90 दिनों के भीतर समिति को अपनी रिपोर्ट सौंपनी होगी। हालांकि समयसीमा को बढ़ाया भी जा सकता है। टीएमसी की तरफ से कल्याण बनर्जी, साकेत गोखले को जेपीसी में शामिल करने का प्रस्ताव दिया गया है। गौरतलब है कि कांग्रेस के साथ ही टीएमसी, सपा, एआईएमआईएम, डीएमके ने एक देश एक चुनाव विधेयक का विरोध किया। वहीं एनडीए में भाजपा की सहयोगी टीडीपी और जदयू ने विधेयक का समर्थन किया है।

जेपीसी के लिए राजनीतिक पार्टियों से अपने सांसदों के नाम देने के लिए कहा गया है। किस पार्टी से कितने सांसद होंगे, अभी ये तय नहीं है, लेकिन लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते जेपीसी अध्यक्ष और सबसे ज्यादा सांसद भाजपा के होंगे। गौरतलब है कि देश में लोकसभा और सभी विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के लिए सरकार ने लोकसभा में संविधान (129वां) संशोधन विधेयक पेश किया है। इसे एक देश एक चुनाव विधेयक कहा जा रहा है।

विधेयक के संसद से पारित होने के बाद साल 2029 के लोकसभा चुनाव के बाद राष्ट्रपति अधिसूचना जारी लोकसभा की पहली बैठक की तारीख तय करेंगे। जब 2029 में चुनी गई लोकसभा का कार्यकाल पूरा होगा तो सभी विधानसभाओं का कार्यकाल भी पूरा मान लिया जाएगा। जिसके बाद 2034 में संभवतः पूरे देश में एक साथ चुनाव कराए जा सकेंगे।

किसानों द्वारा बातचीत से इनकार करने पर सुप्रीम कोर्ट बोला

सुझाव और मांग के लिए कोर्ट के दरवाजे हमेशा खुले

यूनिक समय, नई दिल्ली। अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल ने उच्चस्तरीय समिति से मिलने से इनकार कर दिया। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम साफ करना चाहते हैं कि अदालत के दरवाजे किसानों या उनके प्रतिनिधियों द्वारा किसी भी मांग या सुझाव के लिए हमेशा खुले हैं।

पंजाब सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि खनौरी बॉर्डर पर अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल और अन्य किसानों से कई बार बातचीत की गई, लेकिन उन्होंने उच्चस्तरीय समिति से मिलने से इंकार कर दिया। पंजाब सरकार के जवाब के बाद सुप्रीम कोर्ट ने कहा हम साफ करना चाहते हैं कि अदालत के दरवाजे किसानों या उनके प्रतिनिधियों द्वारा किसी भी मांग या सुझाव के लिए हमेशा खुले हैं। कोर्ट ने दल्लेवाल के स्वास्थ्य पर भी संज्ञान लिया और पंजाब सरकार से जल्द से जल्द चिकित्सा सहायता देने को कहा। पंजाब के महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह ने जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ को बताया कि समिति ने 17 दिसंबर को किसानों को बैठक में बुलाया था, लेकिन वे इसमें शामिल नहीं हुए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों को रोजाना समझाने की कोशिश कर रही है और सुझाव दिया कि उन्हें अपनी मांगें सीधे अदालत में रखने का मौका दिया जा सकता है।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय :– यूनिक बिल्डिंग, 289–290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक–पवन गौतम। फोन नंबर–0565–2420150, मो। 9837155888 E-mail : uniquesamaynews@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053